RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 54 ● भिलाई, बुधवार 27 अगस्त 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

विकलांग लोगों पर मजाक बनाने वाले कॉमेडियन्स को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उन हास्य कलाकारों को निशाने पर लिया, जो अपने स्टैंड अप कॉमेडी शो में विकलांग लोगों पर मजाक बनाते हैं। कोर्ट ने सभी ऐसे कलाकारों को सोशल मीडिया पर माफी मांगने को कहा है और जुर्माना लगाने की चेतावनी दी है। कोर्ट की टिप्पणी एसएमए क्योर फाउंडेशन द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए आई है, जिसमें समय रैना, विपुन गोयल, सोनाली ठक्कर समेत अन्य पर दिव्यांग लोगों के लिए चुटकुले बनाने का आरोप था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने हास्य कलाकारों से कहा, आपने कोर्ट के समक्ष जो माफी मांगी है, वही माफी अपने सोशल मीडिया के समक्ष भी दीजिए। कोर्ट ने कहा कि प्रभावशाली लोग भाषण का व्यवसायीकरण कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को कंटेनर ने टक्कर मारी, 8 की मौत

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में तड़के बड़ा हादसा हो गया। यहां श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को कंटेनर ने टक्कर मार दी, जिससे 8 लोगों की मौत हो गई। हादसा तड़के 2¬15 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर अरनिया थाना क्षेत्र के घटाल गांव के पास हुआ। हादसे में 45 लोग घायल हुए हैं, जबकि 3 की हालत गंभीर है। पुलिस ने कंटेनर को जब्त कर लिया है और चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि सभी ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सवार सभी श्रद्धालु कासंगज के रफायदपुर गांव के रहने वाले थे, जो राजस्थान के हनुमानगढ़ स्थित गोगामेड़ी मंदिर में एक धार्मिक कार्यक्रम में जा रहे थे। दसे के समय वाहन पर 60 श्रद्धालु सवार थे।

रूस में भारतीय राजदूत ने कहा- जहां सबसे अच्छा सौदा, वहां से तेल खरीदेंगी भारतीय कंपनियां

नईदिल्ली। रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार ने कहा कि भारतीय सामानों पर अमेरिकी टैरिफ के बाद भी भारत सबसे अच्छा सौदा देने वाले स्त्रोतों से तेल खरीदना जारी रखेगा। उन्होंने अमेरिका के टैरिफ लगाने के फैसले पर निशाना साधा, जो रूस से तेल व्यापार के कारण लगाया गया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका का निर्णय अनुचित, अविवेकपूर्ण और अन्यायपूर्ण है, टैरिफ वृद्धि निष्पक्ष व्यापार के सिद्धांतों को कमजोर करता है। कुमार ने आगे कहा कि भारत का उद्देश्य 140 करोड़ लोगों की ऊर्जा सुरक्षा है। उन्होंने कहा कि रूस के साथ कई अन्य देशों के साथ भारत के सहयोग से वैश्विक तेल बाजार में स्थिरता लाने में मदद मिली है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा नीति, बाहरी राजनीतिक दबाव से नहीं। बल्कि अपनी जनता के लिए विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने की आवश्यकता से बनती है और सरकार राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए कदम उठाना जारी रखेगी।

माता वैष्णो देवी मार्ग पर बड़ा हादसा

अर्धकुवारी में लैंडस्लाइड में आठ की मौत,कई यात्री घायल

जम्मू-कश्मीर/ संवाददाता

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर स्थित अर्धकुवारी में लैंडस्लाइड की घटना हुई है। एक अधिकारी ने बताया है कि ये क्षेत्र भूस्खलन से प्रभावित है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने अपने आधिकारिक ङ्क हैंडल पर जानकारी दी है कि ये लैंडस्लाइड इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास हुआ है और कई लोगों के घायल होने की संभावना है। जानकारी के मुताबिक, इस हादसे के बाद वैष्णो देवी यात्रा को रोक दिया गया है। सामने आई जानकारी के मुताबिक, वैष्णो देवी मंदिर के रास्ते में भूस्खलन में 8 लोगों की मौत हो गई और करीब दर्जन भर लोग घायल हैं। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने अपने ट्वीट में बताया- अर्धकुवारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भूस्खलन की घटना हुई है, कुछ लोगों के घायल होने की आशंका है। आवश्यक जनशक्ति और मशीनरी के साथ बचाव कार्य जारी है। जय माता दी। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, माता वैष्णो देवी मार्ग पर अर्धकुवारी में भोजनायल के पास जब लैंडस्लाइड हुआ उस दौरान घटनास्थल पर कई यात्री थे। पहले कई यात्रियों को गंभीर चोटें आने की बात सामने आई थी। हालांकि, आधिकारिक जानकारी सामने आई है कि वैष्णो देवी मंदिर के रास्ते में भूस्खलन में 8 लोगों की मौत हो गई और बड़ी संख्या में लोग घायल हैं। भारी बारिश के कारण जम्मू के विभिन्न

हिस्सों में स्थिति काफी गंभीर है। जम्मू संभाग में लगभग सभी नदियां और नाले खतरे के निशान से ऊपर या उसके करीब बह रहे हैं, जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। डोडा में बादल फटने के बाद, कई जगहों पर पहाड़ खिसक गए हैं। 3 से 4 लोगों की मौत की खबर भी सामने आई है। सीएम उमर अब्दुल्ला ने प्रशासन को हाई अलर्ट बनाए रखने का निर्देश दिया है। जम्मू में अत्यधिक वर्षा के कारण यात्री सुरक्षा के दृष्टिगत 10 से अधिक यात्री सेवाएं निरस्त की गयी हैं। महाप्रबंधक उत्तर रेलवे तथा मंडल रेल प्रबंधक जम्मू अपनी तकनीकी टीम के साथ पठानकोट में उपस्थित हैं और स्थिति की लगातार निगरानी कर रहे हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर में नेटवर्क डाउन की भी खबर सामने आई है। उपयोगकर्ता इंटरनेट और कॉलिंग सुविधाओं का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। लगातार भारी बारिश के कारण मंगलवार दोपहर त्रिकुटा पहाड़ी पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर के मार्ग पर भूस्खलन हो गया, जिससे करीब छह लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन के कारण माता वैष्णो देवी की यात्रा अस्थायी रूप से स्थगित कर दी गई। अधिकारियों ने बताया कि अर्धकुंवारी के पास हुए भूस्खलन के बाद बचाव अभियान जारी है, दोपहर करीब 3 बजे भूस्खलन हुआ था।

यात्रा पर अगले आदेश तक रोक

अधिकारियों ने बताया कि हिमकोटि मार्ग पर यात्रा सुबह से ही रोक दी गई थी। लेकिन पुराने मार्ग पर यात्रा दोपहर 1.30 बजे तक जारी थी। हालांकि, भारी बारिश को देखते हुए अधिकारियों ने अगले आदेश तक इस रास्ते से भी यात्रा रोकने का फैसला किया। जम्मू में पिछले तीन दिनों से लगातार भारी बारिश हो रही है। इससे भारी नुकसान होने की आशंका है। बारिश के कारण पहाड़ों से मिट्टी और पत्थर खिसकने का खतरा बढ़ गया है। इसी वजह से वैष्णो देवी मंदिर के रास्ते में भूस्खलन हुआ। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। उनका इलाज चल रहा है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे मौसम ठीक होने तक यात्रा न करें। यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए हर संभव कोशिश की जा रही है।

राहुल पर गिरिराज सिंह ने साधा निशाना

झूठ को सच नहीं बनाया जा सकता-गिरिराज सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को बिहार में कांग्रेस की 'मतदाता अधिकार यात्रा' की आलोचना की और कहा कि विपक्ष झूठ को सच नहीं बना सकता। पत्रकारों से बात करते हुए, गिरिराज सिंह ने वोट चोरी के आरोपों को झूठा बताया। उन्होंने कहा कि वे बिहार के दौरे पर हैं, तो उन्हें दौरा करने दीजिए, यह उनका काम है, लेकिन वे झूठ को सच नहीं बना सकते। 'वोट चोरी' एक झूठ है। आज 26 अगस्त है, वे एक भी मतदाता का पंजीकरण क्यों नहीं करा पाए? इससे साबित होता है कि वे झूठ को सच बनाना चाहते हैं। विपक्ष पर वार करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि

क्या वे (विपक्ष) चाहते हैं कि बांग्लादेशी यहां वोट दें? क्या ये लोग बिहार को भोला समझते हैं? क्या वे बिहार की जनता को गुमराह करना चाहते हैं? तंज भरे लहजे में भाजपा नेता ने कहा कि जो दो लोग (राहुल गांधी और तेजस्वी यादव) बिहार की सड़कों पर घूम रहे हैं।

मरहीमाता मंदिर दर्शन करने गए थे

बिलासपुर जिले में नाले में डूबने से तीन बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में नाले में डूबने से तीन बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई. पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के बेलगहना पुलिस चौकी के अंतर्गत भनवारटंक स्थित मरहीमाता मंदिर दर्शन करने गए तीन बच्चों समेत चार लोगों की नाले में बहने से मौत हो गयी. सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं.उन्होंने बताया कि मृतकों में दो बलौदाबाजार-भाटापारा जिले तथा दो बिलासपुर जिले के हैं. तीनों बच्चों के शव कल सोमवार रात को बरामद कर लिए गए तथा चौथे व्यक्ति का शव मंगलवार की सुबह बरामद किया गया. अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए कोटा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भेज दिया है.बेलगहना पुलिस चौकी के प्रभारी राज सिंह ने बताया कि बलौदाबाजार- भाटापारा जिले के बिटकुली गांव निवासी ध्रुव परिवार

सोमवार को एक बस में सवार होकर भनवारटंक के मरहीमाता मंदिर में दर्शन करने आया था. बस में ध्रुव परिवार के बिलासपुर निवासी सदस्यों सहित लगभग 40 लोग सवार थे. सिंह ने बताया कि सोमवार को वह देवी दर्शन के बाद शाम को लगभग चार बजे मुख्य मार्ग में खड़ी बस की तरफपैदल लौट रहे थे तब अचानक तेज बारिश शुरू हो गई.उन्होंने बताया कि बारिश की वजह से आसपास की पहाड़ी का पानी तेजी से रास्ते में एक बरसाती नाले में आ गया. इसी समय तेज बहाव के बीच नाला पार करते समय चार लोग बलौदाबाजार-भाठापारा जिले के निवासी मितान ध्रुव (पांच) तथा गौरी ध्रुव (13) और बिलासपुर निवासी बलराम ध्रुव (45) तथा उनकी बेटी मुस्कान ध्रुव (13) नाले में बह गए.अधिकारी ने बताया कि हादसे की सूचना मिलने के बाद राज्य आपदा मोचन बल, पुलिस और जिला प्रशासन के दल को घटनास्थल भेजा गया तथा बचाव कार्य शुरू किया गया. उन्होंने बताया कि तीनों बच्चों के शव सोमवार रात बरामद कर लिया गया तथा बलराम ध्रुव का शव आज सुबह 11 बजे बरामद किया गया. अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा मामले की जांच की जा रही है.

वोट अधिकार यात्रा

चोर की तरह वोट चोरी कर बीजेपी खामोश-राहुल गांधी

मधुबनी/ एजेंसी

आठवें दिन राहुल गांधी का काफिला लगभग दो घंटे की देरी से मधुबनी पहुंचा। इस दौरान महागठबंधन के हजारों कार्यकर्ता अपने-अपने दल के झंडे लेकर मौजूद रहे। इस दौरान राहुल गांधी ने वोट चोरी के मुद्दे पर भाजपा को घेरा। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान पर सवाल उठाया जिसमें कहा गया था कि भाजपा की सरकार एक बार नहीं बल्कि 40 से 50 साल तक चलेगी। राहुल गांधी ने कहा कि मैं हैरत में पड़ गया था कि अमित शाह

ऐसा कैसे कह सकते हैं। हम नेता हैं, जनता क्या चाहती है और क्या सोचती है, ये वही तय करती है। इसलिए अमित शाह का यह बयान बेहद अजीब था। अब सच्चाई देश के सामने आ गई है कि भाजपा वोट चोरी करती है। यह सिलसिला गुजरात से शुरू हुआ और अब राष्ट्रीय स्तर पर आ गया है। भाजपा वोट चोरी करके राज्यों में जीत हासिल करती है। पहले मैं यह बात खुलकर नहीं कह पा रहा था क्योंकि मेरे पास सबूत नहीं थे, लेकिन अब सबूत सामने हैं। राहुल गांधी ने कहा कि संविधान में साफ लिखा है कि हिंदुस्तान का हर नागरिक चाहे वह हिंदू हो, मुस्लिम हो, दलित हो या ओबीसी सभी को एक वोट का अधिकार है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अंबानी जी के बेटे को उतने ही वोट मिलते हैं जितना किसी गरीब बच्चे को।

नोएडा दहेज हत्या मामला: पीड़िता के देवर और ससुर को गिरफ्तार किया गया

नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में 36 लाख रुपये के दहेज के लिए महिला निक्की (28) की जलाकर हत्या के मामले में पुलिस ने तीसरे और चौथे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। एक आरोपी पीड़िता का देवर रोहित भाटी है और दूसरा आरोपी पीड़िता के ससुर हैं। दोनों पिछले कई दिनों से फरार थे। पुलिस ने दोनों को सोमवार को हरियाणा में सिरसा टोल के पास एक गुप्त सूचना के आधार पर पकड़ा है। पुलिस ने एक दिन पहले ही विपिन भाटी को पुलिस हिरासत से भागने का प्रयास करते समय पैर में गोली मारकर पकड़ा था। वह अस्पताल में भर्ती है। उसे 14 की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। विपिन की मां दयावती भाटी भी जेल में हैं।

खराब जांच का उत्कृष्ट उदाहरण

न्यायालय ने दुष्कर्म और हत्या के मामले में 2 लोगों को किया बरी

नयी दिल्ली/ एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में मौत के सजायाफ्ता एक दोषी सहित दो लोगों को बरी कर दिया और इसे ढुलमुल और घटिया जांच का उत्कृष्ट उदाहरण बताया. उच्चतम न्यायालय ने कहा कि दोनों आरोपियों से न तो रक्त के नमूने एकत्र करने संबंधी कोई दस्तावेज प्रस्तुत किया गया और न ही साक्ष्य के रूप में प्रदर्शित किया गया, जिससे डीएनए रिपोर्ट रद्दी का टुकड़ा बन कर रह गई. न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति

संजय करोल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष दोनों अपीलकर्ताओं के अपराध को साबित करने में बहुत बुरी तरह विफल रहा है, क्योंकि उसके पास ऐसे ठोस सबूत नहीं थे जिन्हें मामले को सभी संदेहों से परे साबित करने वाला कहा जा सकता है. फैसले में कहा गया, हमारा मानना है कि वर्तमान मामला ढुलमुल और घटिया जांच का एक और उत्कृष्ट उदाहरण है, साथ ही सुस्त सुनवाई प्रक्रिया भी है, जिसके कारण एक मासूम बच्ची के साथ क्रूर बलात्कार और हत्या से जुड़े मामले की जांच नाकाम रही. शीर्ष अदालत का फैसला इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अक्टूबर 2018 के फैसले के खिलाफ अपील पर आया.उच्च न्यायालय ने आरोपी पुतई को निचली अदालत द्वारा दी गई मौत की सजा की पुष्टि की थी तथा उसकी दोषसिद्धि के खिलाफ दायर अपील को खारिज कर दिया था.

भारतीय नौसेना का हिस्सा बने आईएनएस उदयगिरि-हिमगिरि

रक्षामंत्री राजनाथ बोले-आत्मनिर्भर भारत का सपना हुआ साकार

विशाखापत्तनम/ एजेंसी

भारतीय नौसेना की ताकत लगातार बढ़ रही है। विशाखापत्तनम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को नौसेना में शामिल किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दोनों युद्धपोतों के नौसेना में शामिल होने से स्पष्ट है कि आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार हुआ है। भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ी है। भारतीय नौसेना न केवल तटीय क्षेत्रों की रक्षा करती है, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और समृद्धि भी बनाए रखती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि का जलावतरण हमारी दूरदर्शिता और प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। मैं इस अवसर पर भारतीय नौसेना को बधाई देता हूं। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) द्वारा निर्मित आईएनएस हिमगिरि और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा निर्मित आईएनएस उदयगिरि दोनों आधुनिक युद्धपोत हैं जिनका निर्माण स्वदेशी तौर पर किया गया है। उन्होंने कहा कि इन युद्धपोतों में कई उन्नत क्षमताएं हैं। इनमें लंबी दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइलें, स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर, टारपीडो लॉन्चर, युद्ध प्रबंधन प्रणाली और अग्नि नियंत्रण प्रणाली लगाई जा सकती हैं। ये दोनों युद्धपोत समुद्र में खतरनाक अभियानों में गेम-चेंजर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि आईएनएस तमाल भारतीय नौसेना के लिए अंतिम विदेशी

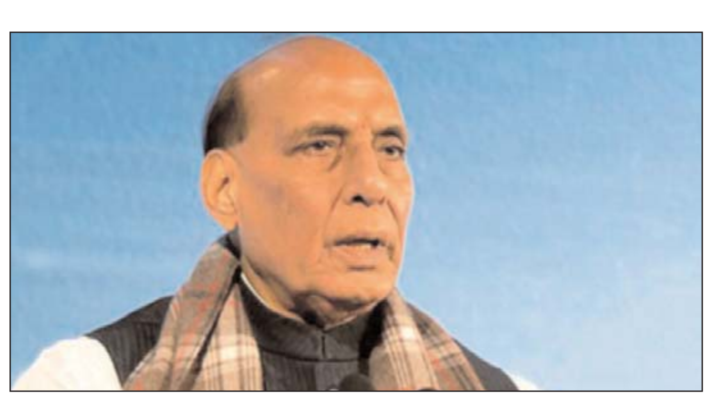

ऑर्डर था। हमने निर्णय लिया है कि भारतीय नौसेना के लिए भविष्य में कोई भी जहाज विदेश में नहीं बनाया जाएगा। हम अपने जहाज भारत में ही बनाएंगे। यह रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बहुत ही निर्णायक कदम है। इन युद्धपोतों के जलावतरण के साथ भारतीय नौसेना ने एक शताब्दी पूरी कर ली है। आज स्वदेशी स्न35 युद्धपोत भी लॉन्च किया गया है। एक देश के पास उड़ने वाला स्न-35 है और आपने तैरता हुआ स्न35 बनाया है, वह भी भारत में निर्मित। राजनाथ सिंह ने कहा कि हिंद महासागर में चल रहा शक्ति-खेल हमें बार-बार सचेत करता है। यहां कई देशों के हित टकराते हैं। इसलिए हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हमारी समुद्री तैयारी मजबूत बनी रहे। रक्षा मंत्री ने कहा कि नौसेना की भूमिका केवल समुद्र की सुरक्षा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह आर्थिक सुरक्षा का भी एक प्रमुख स्तंभ है क्योंकि तेल, प्राकृतिक गैस जैसी भारतीय ऊर्जा आवश्यकताएं काफी हद तक क्षेत्र की सुरक्षा पर निर्भर करती हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना न केवल तटीय क्षेत्रों की रक्षा करती है, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और समृद्धि भी बनाए रखती है। ये दोनों युद्धपोत देश की सुरक्षा में मील का पत्थर साबित होंगे।

ऑपरेशन सिंदूर में नौसेना को मौका दिया गया होता तो...: रक्षा मंत्री

रक्षा मंत्री ने कहा कि देश ने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर सीमा पार सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से प्रभावी और सटीक जवाब दिया। युद्धपोतों की त्वरित तैनाती और क्रियान्वयन में भारतीय नौसेना ने आगे आकर ताकत दिखाई। अगर नौसेना को मौका दिया गया होता तो संदेश बिल्कुल अलग होता। उन्होंने कहा कि भारत कभी भी आक्रामक विस्तारवाद में विश्वास नहीं करता है और पूरी दुनिया जानती है कि उसने कभी किसी देश पर पहले हमला नहीं किया। जब हमारी सुरक्षा पर हमला होता है, तो भारत जानता है कि कैसे जवाब देना है। मैं कहना चाहता हूं कि ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है, यह सिर्फरुका हुआ है।

CMYK

परमात्मा का कोई भी कल्याणक जीव मात्र के कल्याण के लिए होता है

परमात्मा के जीवन से हमे भक्ति और शक्ति दोनों को ही देखना और समझना है : प.पू. प्रशम सागर म.सा.

धमतरी। परम पूज्य उपाध्याय प्रवर अध्यात्मयोगी महेंद्र सागर महाराज साहेब परम पूज्य उपाध्याय प्रवर युवामनीषी स्वाध्याय प्रेमी मनीष सागर महाराज साहेब के सुशिष्य परम पूज्य प्रशम सागर महाराज साहेब परम पूज्य योगवर्धन महाराज साहेब पार्श्वनाथ जिनालय इतवारी बाजार धमतरी में विराजमान है। 25 अगस्त को परम पूज्य प्रशम सागर महाराज साहेब ने प्रवचन के माध्यम से फरमाया कि कल हमने कल्पसूत्र के माध्यम से परमात्मा महावीर के जन्म कल्याणक का श्रवण किया और कल का दिन ठीक उसी उत्साह और उमंग के साथ मनाया जिस तरह परमात्मा का जन्म कल्याणक महोत्सव मनाते है। जिस तरह सभी को परमात्मा के जन्म कल्याणक का इंतजार होता है उसी तरह हमें परमात्मा के जन्मकल्याणक के श्रवण का भी इंतजार रहता है। परमात्मा का कोई भी कल्याणक जीव मात्र के कल्याण के लिए होता है। हे त्रिशला सूत महावीर मेरे अंदर भी ज्ञान की ज्योति जला दो। सूरज के समान तेज और चंद्रमा सी शीतल प्रकाश रूपी वाणी आपकी है। आपने अपने जीवन में कितने परिषह अर्थात कष्ट सहन किए थे। ये सुनकर ही मन घबरा जाता है। उसके बाद भी इन परिषहो को सहकर आपने करुणा और प्रेम बरसाने का कार्य किया। जीव मात्र का कल्याण करने के लिए सतत परिश्रम करते रहे। न जाने मेरे जीवन में ऐसा परिषह आ जाए तो मेरा क्या होगा। इसलिए हे परमात्मा मुझे भी ऐसा ज्ञान देने की कृपा करे कि मेरा कल्याण हो जाए। भगवान महावीर का जीव 26 भव की यात्रा करके यहां पहुंचे है। यह परमात्मा का अंतिम भव है। इस भव के बाद पुनः परमात्मा इस संसार में नहीं आयेंगे। हमें भी अपने ज्ञान चक्षु को खोलकर परमात्मा के जीवन को समझने का अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना है। 27वें भव में परमात्मा के आने के बाद शेष 26 भव भूल जाने योग्य है क्योंकि परमात्मा को इतिहास में केवल उनके 27वें भव के रूप में अर्थात महावीर के रूप में याद किया जाएगा। परमात्मा के जीवन से हमे भक्ति और शक्ति दोनों को ही देखना और समझना है। तभी हम भी भगवान महावीर जैसा बन सकते है। परमात्मा के जन्म के बाद महोत्सव मनाया जाता है। परमात्मा के जन्म के बाद इसकी पहली सूचना 56 दिक्कुमारी को मिलता है। ये सभी धरती में आकर 8-8 के समूह में 7 अलग अलग दिशाओं से आकर भूमि को शुद्ध करके अर्थात अपने हृदय को शुद्ध करके, पुष्पों की वृष्टि करके अर्थात अपने मन को कोमल बनाकर, दर्पण दिखाकर अर्थात अपने वास्तविक स्वरूप को देखकर, जल से भरा हुआ कलश लाकर अर्थात परमात्मा को देखकर परमात्मा के ज्ञान रूपी जल से अपनी आत्मा रूपी कलश को भरना है। परमात्मा के सामने पंखा दिखाकर अर्थात परमात्मा की सेवा करके अपने अंदर के विषय कषाय रूपी गर्मी को दूर करने का प्रयास करना है। चंवर डुलाकर अर्थात परमात्मा के और अधिक करीब आकर परमात्मा की सेवा करके का अर्थात परमात्मा के निकट आने का प्रयास करना है। धीरे धीरे परमात्मा के इतने निकट आना है कि हमारी आत्मा भी परमात्मा बन सके। इस प्रकार परमात्मा का जन्म महोत्सव मनाती है।

खाद नहीं मिलने पर किसानों का चक्काजाम 1 सितम्बर को, एसडीएम के नाम तहसीलदार को दिया ज्ञापन

महासमुंद। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) छत्तीसगढ़ के प्रदेश महासचिव तेजराम विद्रोही, जिला पंचायत सदस्य मोक्ष प्रधान, जिला पंचायत सदस्य जागेश्वर जुगनू चन्द्राकर की विशेष उपस्थिति में सांकरा, सागुनढाब, भगत्तदेवरी, पीरदा, आरंगी, सिरको, जगदीशपुर सहकारी समिति क्षेत्र के किसानों की आवश्यक बैठक की गयी।

जिसमें पाया कि सहकारी समितियों में रासायनिक खाद नहीं मिलने और नीजि दुकानदारों द्वारा मनमाने दाम पर खाद बेचने, जबरदस्ती लादन देने के कारण किसानों को अपना खेती करना व फ़सल उत्पादन करना परेशानी का सबब बन गया है जिससे किसान परिवारों के सामने आजीविका का संकट उत्पन्न हो रहा है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए भारतीय किसान यूनियन पिथौरा ब्लॉक के संयोजक अजय साहू ने कहा कि उपस्थित किसानों ब्रजेश खाम्हारी, मोतीलाल पटेल, शरद चंद्र, पुरुषोत्तम भोई, अश्विनी प्रधान, नरोत्तम साहू, भास्कर बारीक़, सुशील बढ़ाई, मुरलीधर, गोवर्धन पटेल, धनुर्जाय पटेल, श्रीनिवास साहू, ललित कुमार खम्हारी, शेषदेव प्रधान, घनश्याम पटेल, मोतीलाल भोई, चंद्रकांति सागर आदि ने अनुविभागीय अधिकारी पिथौरा के नाम तहसीलदार को ज्ञापन देते हुए मांग किया है कि 29 अगस्त दिन शुक्रवार तक किसानों को पर्याप्त खाद उपलब्ध करायी जाये, लादन एवं खाद की कालाबाजारी पर रोक लगायी जाये। इस दिनांक तक खाद नहीं मिलने की स्थिति में 01 सितम्बर दिन सोमवार को सांकरा नेशनल हाइवे पर किसान चक्काजाम करने को मजबूर होंगे। उक्ताशय की जानकारीअजय साहू ब्लॉक संयोजक भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) पिथौरा जिला महासमुंद ने दी।

डॉ. दादी प्रकाशमणि के 18वीं पुण्य स्मृति दिवस पर राष्ट्रीय रक्तदान-महादान शिविर का आयोजन

बलौदाबाजार। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के समाज सेवा प्रभाग के तत्वाधान में 24 अगस्त को ब्रह्माकुमारी संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका डॉ दादी प्रकाशमणि के 18वीं पुण्य स्मृति दिवस के अवसर पर विश्व एकता और विश्व बंधुत्व के लिए राष्ट्रीय रक्तदान-महादान शिविर का आयोजन स्थानीय संस्था, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, महादानी भवन, सोनपुरी रोड, बलोदाबाजार में प्रातः 9:30 बजे से संध्या 4:00 बजे तक आयोजित किया गया। रक्तदान शिविर में विशेष रूप से बलौदाबाजार नगरपालिका के अध्यक्ष अशोक जैन, भ्राता अशोक वर्मा, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय बलौदाबाजार जनपद सभापति कुशल वर्मा, भ्राता विवेक अग्रवाल एवं जिला चिकित्सालय के स्टाफगण, साथ ही रक्तदान शिविर में बलोदाबाजार के गणमान्य नागरिक एवं समाज सेवी लेखराम सेन, झड़ीराम साहू, नूतन कुमार सेन, झगगर साहू, सीताराम वर्मा,मिथला साहू, राजेश कुमार ध्रुव एवं अन्य रक्तदातागण विशेष रूप से उपस्थित रहे हैं।

अंडर-11 भारतीय टीम ने नेपाल मे जीती इंडो-नेपाल सब-जूनियर/मिनी अंतरराष्ट्रीय रिबाउंडर बाल चैंपियनशिप बच्चों ने बढ़ाया जिले का मान

बलौदाबाजार। जिले के होनहार बच्चों ने इंडो-नेपाल सब-जूनियर/मिनी रिबाउंडर बाल चैंपियनशिप 2025 मे हिस्सा लिया जिसमे अंडर11मे डीडब्लूपीएस स्कूल से धरूण तिवारी अथर्व दत्त पाठक प्रांजल जांगड़े श्रीवांश आर्य शेख नोमान अक्षय मंधान अमन बघेल एवं अंडर14 मे पीयूष कुमार पटेल अमन शर्मा पार्थ सिंह बैस नमन धांग अक्षत साहू कान्हा दवानी वेदांश सिंह एवं तन्मय साहू कोच तथा राष्ट्रीय प्रतिनिधि खेल शिक्षक दिलीप कुमार एवं पियूष कुमार राष्ट्रीय प्रतिनिधि प्रबंधक के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व मे नेपाल के पोखरा मे 19 से 21 अगस्त के तीन दिवसीय मैच टूर्नामेंट में सम्मिलित हुए जिसमे भारतीय टीम का मुकाबला नेपाल और अतिथि टीम श्रीलंका के साथ हुआ जिसमें अंडर11ने प्रथम एवं अंडर14 ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।देश वापसी पर भाटापारा पहुंचने पर बच्चों एवं कोच का परिवार वालों एवं नगरवासियों ने ढोल नगाड़े फूल मालाओं के साथ भव्य स्वागत सत्कार किया साथ ही बच्चों की इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर खुशी जाहिर की कोच दिलीप कुमार ने बच्चों की इस उपलब्धि पर अभिभावकों एवं स्कूल प्रबंधन डीडब्ल्यूपीएस का आभार व्यक्त किया।

विशेष बच्चों ने परंपरागत उमंग के साथ मनाया पोला-पोरा उत्सव

धमतरी। छत्तीसगढ़ की परंपरागत संस्कृति से जुड़ा महत्वपूर्ण त्यौहार पोला/पोरा सार्थक स्कूल धमतरी में बड़े ही उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने मिट्टी से बने नांदिया बैला की पूजा की और जोड़ी बनाकर बैलों की दौड़ भी लगाई। लड़कियों ने चुकी पोरा की परंपरा निभाते हुए गुलगुला और अनरसा रखा तथा सबको खिलाया। बच्चों ने पोरा गीतों पर नृत्य कर भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में प्रशिक्षक मैथिली गोड़े, देविका दीवान, काजल रजक और सुनैना गोड़े का विशेष सहयोग रहा।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा विशाल रक्तदान शिविर आयोजित

धमतरी। ईश्वरीय विश्वविद्यालय ब्रह्माकुमारीज संस्थान धमतरी द्वारा राजयोगिनी प्रकाशमणि दादी की पुण्य स्मृति में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस आयोजन में जिला अस्पताल, धमतरी का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रंजना डीपेन्द्र साहू भी शामिल हुई। उन्होंने शिविर में सेवा भाव से रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया और उनके इस मानवसेवी कार्य की खुले दिल से सराहना की। साहू ने कहा कि रक्तदान एक महान सेवा है जो न सिर्फ जीवन बचाने का कार्य करता है, बल्कि समाज में एक सकारात्मक संदेश भी देता है, ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज में सेवा और सहयोग की भावना को और अधिक मजबूती मिलती है। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने बढ़.चढ़कर भाग लिया और स्वेच्छा से रक्तदान किया। सरिता दीदी सहित ब्रह्माकुमारीज संस्थान के सदस्यों ने शिविर के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई और इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह आयोजन न केवल एक पुण्य कार्य था, बल्कि यह समाज में सेवा, समर्पण और मानवता के मूल्यों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम भी सिद्ध हुआ।

वरिष्ठ नागरिक समिति बलौदा बाजार के अध्यक्ष बने श्याम शुक्ला

बलौदाबाजार। वरिष्ठ नागरिक समिति बलौदा बाजार की बैठक विप्र वाटिका बलौदा बाजार में संपन्न हुई जिसमें बलौदा बाजार के सभी वरिष्ठ नागरिकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया वरिष्ठ नागरिकों में विभिन्न मुद्दों को लेकर चर्चा हुई एवं बलौदा बाजार जिले के अध्यक्ष का सर्वसम्मति से चुनाव किया गया जिसमें श्याम शुक्ला को अध्यक्ष मनोनीत किया गया निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने वाले प्रथम जिले के अध्यक्ष हैं श्याम शुक्ला सभी वरिष्ठ नागरिकों ने श्याम शुक्ला को अध्यक्ष बनने की बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी एवं उनके नेतृत्व में बलौदा बाजार के विकास कार्यों को गति मिलेगी ऐसी आशा प्रकट की समिति की बैठक में नगर के वरिष्ठ नागरिक आर. एन. वर्मा डीपी जैन भूपेंद्र ठाकुर जुगल भट्टर विष्णु धर दीवान एसएन उपाध्याय जय नारायण केसरवानी डॉ केके साहू खोडास कश्यप हेमचंद केसरवानी पुनीत वर्मा शिव शंकर अग्रवाल दिनेश बिश्नोई लक्ष्मी साहू नरेंद्र शुक्ला कैलाश सोनी सुरेश सराफ चानाहु सर विजय केशरवानी राजू केशरवानी रामाधार पटेल पौडवाल शिव वर्मा मोती वर्मा भुवन जायसवाल दिनेश वैष्णव महेश अग्रवाल प्रमोद शुक्ला के. के वर्मा सुशील तिवारी भुवन जयसवाल सूर्यवंशी सर आदि वरिष्ठ नागरिक उपस्थित थे।

कलेक्टर ने की खाद भण्डारण व वितरण की समीक्षा

बलौदाबाजार। कलेक्टर दीपक सोनी ने सोमवार को कृषि, सहकारिता एवं अन्य सम्बधित विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में उर्वरक भण्डारण एवं वितरण की समीक्षा की। उन्होंने यूरिया की बढ़ती मांग को दृष्टिगत रखते हुए मांग अनुसार समितियो में यूरिया उपलब्ध कराने तथा उर्वरक की कलाबाजारी करने वालों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि डबल लॉक में भण्डारित लगभग166 मेट्रिक टन यूरिया को अधिक मांग वाले समितियों में पहुंचाएं। यूरिया का रैक लगने पर जिले के लिए आवंटित मात्रा अनुसार शतप्रतिशत आवंटन कराएं। उन्होंने तय मूल्य से अधिक मूल्य पर उर्वरक विक्रय करने वाले विक्रेताओं पर कार्यवाही करने लगातार जांच अभियान चलाने के निर्देश दिये। इसके साथ ही छूटे हुए किसानो का एग्रीस्टेक पोर्टल पर पंजीयन की कार्यवाही में तेजी लाने के भी निर्देश दिये। बताया गया कि जिले में लगभग 899 मेट्रिक टन यूरिया की आवश्यकता है। मंगलवार को तिल्दा में रैक लगने वाली है जिससे करीब 200 मेट्रिक टन यूरिया मिलने की संभावना है वहीं दो से तीन दिन में भाटापारा में भी रैक लगने वाली है जिसमें जिले को 200 मेट्रिक टन और यूरिया मिल पायेगा। अब तक कुल 57421 मेट्रिक टन उर्वरक भण्डारण किया गया है जिसके विरुद्ध समितियों को 52077 मेट्रिक टन उर्वरक वितरण किया गया है।

आदिवासी समाज का इतिहास गौरव व प्रतिष्ठा से परिपूर्ण : राजस्व मंत्री वर्मा

प्रतिभावान छात्रों व उत्कृष्ट कार्य करने वाले सामाजिक जनों को किया गया सम्मानित

बलौदाबाजार। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को जिला ऑडिटोरियम में आयोजित प्रतिभावान छात्र सम्मान समारोह में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा शामिल हुए। इस अवसर पर आदिवासी समाज के प्रतिभावान छात्र -छात्राओं एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सामाजिकजनों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री वर्मा ने कहा कि आदिवासी समाज में एकता और जागरूकता बढ़ रही है। हर समाज को अपने इतिहास को जानना जरूरी है। आदिवासी समाज का इतिहास गौरव व प्रतिष्ठापूर्ण है। इस समाज में अनेक वीर योद्धा व बलिदानी हुए हैं जिन्होने समाज व देश के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिया। शहीद वीर नारयण सिंह, गुंडाधुर, रानी दुर्गावती, भगवान बिरसा मुंडा प्रमुख गौरव हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के उत्थान के लिए सरकार अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। इसमें प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से विशेष पिछडी जनजाति बहुल गांव में सभी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है।प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय स्वयं आदिवासी समाज से हैं जो इस समाज की बेहतरी की चिंता करते हैं।हमारी सरकार के 18 से 20 महीने के कार्य से ही प्रदेश में खुशहाली व समृद्धि दिखाई देने लगी है। समाज को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे आकर समाज को एक नई दिशा देने में योगदान की आवश्यकता है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल ने कहा कि समाज तभी आगे बढ़ता है जब वह अपनी संस्कृति व धरोहर को आगे बढ़ाता है।आदिवासी समाज का गौरवपूर्ण इतिहास रहा है। ऐसा कोई प्रान्त नहीं जहां समाज के वीर अपने प्राणों की आहुति न दी हो। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा की याद को चिरस्थाई बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की घोषणा अनुरूप 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है।

उन्होंने कहा कि संस्कृति और धरोहर की संरक्षण के साथ ही बेटा और बेटियों की शिक्षा भी बहुत जरूरी है। शिक्षा समाज को आगे ले जाने का सशकत माध्यम है। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन, जिला अध्यक्ष आनंद यादव, विनोद नाग, मौली महासभा अध्यक्ष बंशीलाल नेताम ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव, सर्व आदिवासी समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश ध्रुव, जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ध्रुव, स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष विजय केशरवानी, ईश्वर गोंड, सुभाष पोर्ते,राकेश ध्रुव, रवि ध्रुव सहित अन्य पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग उपस्थित थे।

बीटीओए का शपथ ग्रहण संपन्न, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष देव रहे मुख्य अतिथि

किरंदुल। दक्षिण बस्तर में ट्रक मालिकों की सबसे बड़ी और आर्थिक रूप से काफी मजबूत मानी जाने वाली संस्था बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन का एक वर्षीय चुनाव 13 अगस्त को संपन्न हुआ था।जिसमें 911 सदस्य मतदाताओं ने बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन के 7 पदाधिकारियों का चयन मतदान प्रणाली से नवनियुक्त गठित चुनाव संचालन समिति के दिशा निर्देश पर किया था। बैलाडीला ट्रक ओनर्स के नवनिर्वाचित पदाधिकारियो के 24 अगस्त को हुए शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेशाध्यक्ष और जगदलपुर के विधायक किरण सिंह देव रहे। साथ ही कार्यक्रम के अध्यक्ष दंतेवाड़ा विधायक चेतराम अट्टामी एवं विशिष्ट आतिथ्य के रूप में दंतेवाड़ा जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुडामी, किरंदुल पालिकाध्यक्ष रूबी सिंह, बचेली पालिकाध्यक्ष राजू जायसवाल, एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के अधिशासी निदेशक रबिन्द्र नारायण, परियोजना कार्मिक के एल नागवेणी, कमला विनय नाग,आर्सेलर मित्तल कंपनी के रामचंद्रा, कोडेनार पंचायत सरपंच मीना मंडावी, एनएमडीसी बचेली परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक श्रीधर कोडाली एवं भाजपा जिला अध्यक्ष दंतेवाड़ा संतोष गुप्ता और कांग्रेस जिला अध्यक्ष दंतेवाड़ा अवधेश गौतम,भाजपा मंडल किरंदुल प्रभारी सत्यजीत चौहान रहे मौजूद । मंच संचालन राकेश सिंह गौतम, रविंद्र सोनी और आर सी नाहक ने संयुक्त रूप से किया।

संक्षिप्त समाचार

तोमर बुधुओं की संपत्ति कुर्क करने की प्रक्रिया शुरू

रायपुर। लगभग 2 महीने से फरार चल रहे वीरेंद्र तोमर और रोहित तोमर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए बुधवार को संपत्ति कुर्क करने की मंजूरी मिलने के बाद जिला प्रशासन ने उनकी संपत्तियों को कुर्क करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रशासनिक टीम ने भाठागांव स्थित साईं विला मकान और जमीन को कुर्क किया है। इस दौरान एसडीएम नंद कुमार चौबे, तहसीलदार और पुलिस की टीम मौके पर मौजूद रही। जानकारी के अनुसार कुर्क संपत्ति कुल 3 हजार स्क्वायर फीट है, जिसमें वीरेंद्र और रोहित दोनों भाइयों की 1,500-1,500 स्क्वायर फीट की संपत्ति है। इसके अलावा राजधानी के आसपास स्थित उनकी तीन और जमीनों की कुर्की की कागजी कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। यह भी बता दें कि दो महीने से फरार चल रहे तोमर बंधुओं की गिरफ्तारी के लिए एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने 5-5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। साथ ही उनकी संपत्तियों को कुर्क करने की मांग कोर्ट से की थी, जिसे बुधवार को अदालत ने मंजूरी दे दी थी। कलेक्टर को कोर्ट से आदेश मिलने के बाद प्रशासनिक टीम ने ये कार्रवाई शुरू की।

चैतन्य बघेल की न्यायिक रिमांड 14 दिनों के लिए बढ़ी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में आरोपी बनाए गए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को ईडी की विशेष अदालत ने 14 दिनों की न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। अब चैतन्य बघेल आगामी 6 सितंबर तक जेल में रहेंगे। बता दें कि चैतन्य बघेल 23 अगस्त तक ईडी की रिमांड पर थे। निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद उन्हें विशेष अदालत में पेश किया गया। प्रवर्तन निदेशालय ने अदालत को बताया कि शराब घोटाले से जुड़े मामले में अभी कई पहलुओं की जांच की जानी बाकी है। इसलिए आगे की पूछताछ के लिए आरोपी को फिर से रिमांड पर लेने की आवश्यकता हो सकती है। सुनवाई के बाद विशेष अदालत ने आदेश देते हुए कहा कि चैतन्य बघेल की न्यायिक हिरासत 6 सितंबर तक रहेगी। इसके बाद मामले की सुनवाई फिर से की जाएगी। उस समय ईडी चाहे तो नई रिमांड की मांग कर सकती है। अदालत में पेशी के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई थी और पुलिस बल की तैनाती भी की गई। बता दें कि छत्तीसगढ़ में शराब घोटाला मामले में करोड़ों रुपये के अवैध लेन-देन और वित्तीय गड़बड़ी के आरोप सामने आए हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने जांच के दौरान कई कारोबारी और राजनेताओं से पूछताछ की है। इसी कड़ी में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल का नाम भी सामने आया था। ईडभ का आरोप है कि शराब कारोबार में अवैध वसूली और धन के लेन-देन में चैतन्य बघेल की भूमिका रही है। इसी आधार पर उन्हें गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गया था।

महादेव सट्टा एप : मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल ने गिरफ्तारी वारंट रद्द करने लगाई अर्जी

रायपुर। महादेव सट्टा एप के मामले में मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल ने गिरफ्तारी वारंट रद्द करने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है। आरोपियों ने अदालत में अर्जी लगाकर तीन महीने का समय मांगा है। बता दें कि महादेव सट्टा ऐप मामले में दोनों ही आरोपी भारतीय जांच एजेंसियों के शिकंजे में हैं। इनके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया जा चुका है। ईडी के अधिवक्ता सौरभ पांडे के अनुसार बीते दिनों विशेष न्यायालय में दोनों आरोपियों की गैरहाजिरी पर उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। उस वारंट को रद्द करने के लिए आरोपियों ने हाईकोर्ट में आवेदन प्रस्तुत किया था, जिसे सुनवाई के बाद अदालत ने खारिज कर दिया गया। इसके बाद आरोपी रवि उप्पल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की जो कि अभी तक लंबित है। वहीं, इसी मामले में फिर से नया आवेदन लगाया गया है, जिसमें कहा गया है कि वारंट को निरस्त किया जाए और उन्हें तीन महीने का समय दिया जाए ताकि वे खुद अदालत में पेश हो सके। ईडी की स्पेशल अदालत ने बहस सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा है।

एनएचएम के संविदा कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से स्वास्थ्य सेवाओं पर वितरित असर

रायपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवामिशन के कर्मचारी इस समय विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर है। ये संविदा कर्मी हड़ताल पर चले गये है जिसके कारण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में विपरीत असर पड़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में कार्यरत कर्मचारी दस सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन धरना देकर प्रदर्शन कर रहे हैं। इन कर्मचारियों ने खून से एक पत्र मुख्यमंत्री से लिखा है। इनकी मांग है कि इन्हें इनका संविलियन किया जाए तथा 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि ग्रेड पे निर्धारण और पब्लिक हेल्थ क्रेडर की स्थापना की जाए। संघ के अध्यक्ष डॉ. अमित ने बताया कि हड़ताल शुरू होने के बाद स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात कर सभी प्रमुख मांगे पूरी करने की मांग की गई है लेकिन अभी तक कोई हल नहीं निकला है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय पहुँचे छत्तीसगढ़ पैवेलियन

वर्ल्ड एक्सपो में दिखी प्रदेश की संस्कृति,समृद्धि की अद्भुत झलक

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज ओसाका (जापान) में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो 2025 के भारत मंडपम के अंतर्गत स्थापित छत्तीसगढ़ पैवेलियन पहुँचे। यहाँ उन्होंने प्रदेश की संस्कृति, परंपरा और आधुनिक प्रगति को दर्शाती प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि उद्घाटन दिवस पर ही छत्तीसगढ़ पैवेलियन में 22 हजार से अधिक दर्शक पहुँचे। यहाँ आने वाले लोग प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, आदिवासी लोककला, उद्योग और पर्यटन की अनूठी झलक देखकर उत्साहित हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज अपनी परंपरा और आधुनिकता के अनूठे संगम के साथ दुनिया के सामने उभर रहा है। हमारी पहचान केवल धरोहर और लोकसंस्कृति तक सीमित नहीं है, बल्कि उद्योग, नवाचार और वैश्विक सहयोग की दिशा में भी हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। पवेलियन में छत्तीसगढ़ की जनजातीय कला, बुनाई, हस्तनिर्मित उत्पाद, हर्बल आइटम्स और पर्यटन

स्थलों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया है। साथ ही, प्रदेश की औद्योगिक क्षमता, निवेश अवसर और भविष्य की संभावनाओं पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। जापान और अन्य देशों से आए आगंतुकों ने छत्तीसगढ़ के पैवेलियन की सराहना करते हुए विशेष रूप से हस्तशिल्प और बांस उत्पादों, बस्तर आर्ट और लोकसंगीत पर आधारित प्रस्तुतियों की प्रशंसा की। इससे अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के बीच प्रदेश की एक सकारात्मक छवि बनी। मुख्यमंत्री श्री साय ने पवेलियन में मौजूद मेहमानों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ निवेश और साझेदारी के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को प्रदेश के साथ जुड़कर विकास की नई दिशा में कदम बढ़ाने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्ल्ड एक्सपो जैसे वैश्विक मंच पर हमारी भागीदारी यह संदेश देती है कि छत्तीसगढ़ केवल भारत का ही नहीं, बल्कि वैश्विक साझेदारी का भी एक मजबूत केंद्र बन सकता है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न देशों से आए निवेशकों और प्रतिनिधियों से भी चर्चा की। औद्योगिक विकास, पर्यटन संवर्द्धन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर केंद्रित इन मुलाकातों ने भविष्य में सहयोग के नए अवसर खोले। छत्तीसगढ़ पवेलियन की भव्यता और उसमें प्रदर्शित सामग्री ने यह संदेश दिया कि प्रदेश न केवल अतीत की सांस्कृतिक धरोहर से समृद्ध है, बल्कि आने वाले कल का भविष्य-रेडी हब भी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का यह प्रवास छत्तीसगढ़ को विश्व मंच पर नई पहचान दिलाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

ओसाका इन्वेस्टर कनेक्ट : छत्तीसगढ़ ने जीता निवेशकों का भरोसा- सीएम साय

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान ओसाका में आयोजित प्रतिष्ठित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों, प्रतिभाशाली मानवबल और उद्योग-अनुकूल नीतियों का सशक्त संगम है। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत और जापान विश्वास एवं साझा मूल्यों की गहरी डोर से जुड़े हैं। मुख्यमंत्री ने जापानी साझेदारों से आह्वान किया कि वे नवाचार, अवसर और साझा समृद्धि से आगे बढ़ रही छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में भागीदार बनें। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सरताज फूड्स, ओसाका को छत्तीसगढ़ में फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने के लिए 11.45 मिलियन डॉलर (?100 करोड़) का निवेश प्रस्ताव दिया। यह परियोजना राज्य के फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र को नई ऊँचाई देगी, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन करेगी और किसानों को नए अवसर प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से छत्तीसगढ़ की कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। बिजनेस-टू-गवर्नमेंट (क्ष्2त्न) बैठकों के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री साय ने मोराबु हंशिन कंपनी के प्रेसिडेंट एवं रिप्रेजेंटेटिव डायरेक्टर श्री नाओयुकी शिमाडा से भी भेंट की।

मंत्रालय में स्टाफ की कमी से आवश्यक कामकाज प्रभावित

■ 300 से अधिक कर्मचारी हो चुके रिटायर्ड आईएएस अधिकारियों का 162 का कैडर स्वीकृत होने से दोहरे प्रभार पर

रायपुर। संवाददाता

महानदी मंत्रालय में इस समय कर्मचारियों और अधिकारियों का टोटा बना हुआ है जिससे वर्क ऑफ कल्चर नहीं पनप रहा है। आईएएस अधिकारी सहित कर्मचारियों की निरंतर सेवानिवृत्ति के पश्चात यहां पर अधिकारी एवं कर्मचारी के पास इतना वर्क लोड हो गया है कि वे काम नहीं कर पा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार सरकारी विभागों को 17 ग्रुप में रखकर प्रशासनिक कामकाज किया जा रहा है। 13 वर्ष के रिब्यू के पश्चात पाया गया है कि अब तक 300 से 325 कर्मचारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं तथा कई अधिकारी जो कि विभिन्न जिलों विशेष कर दुर्ग जिले से आए थे वे अपनी मूल विभाग में चले गये हैं। सबसे ज्यादा कर्मचारी शिक्षा विभाग से तथा जिला कार्यालय से आए थे। दुर्ग राजनांदगांव तथा डोंगरगढ़ से मंत्रालय कर्मचारी प्रतिदिन अप डाउन कर रहे थे जिनकी सुविधा के लिए रेलवे स्टेशन में बस लगायी जाती है। इन्हें मंत्रालय प्रतिदिन लाया ले जाया जाता है। मुख्य सचिव से मिली जानकारी के अनुसार डीओपीटी मंत्रालय ने राज्य के लिए 162 आईएएस अधिकारियों का कैडर तय किया है। इनमें से अधिकांश अधिकारी राज्य प्रशासनिक सेवा से आ रहे हैं। वहीं डारेक्ट आईएएस की कमी भी है इस समय प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी बढ़ते जा रहे है जबकि नीचे लेबल के अधिकारी कम हो रहे हैं। जिसके कारण आवश्यक कामकाज प्रभावित हो रहा है। उच्च शिक्षा आयुक्त संतोष देवांगन वर्तमान में आयुक्त के अलावा वन विभाग के विशेष सचिव, प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, पी दयानंद तथा अविनाश चंपावत दोहरे प्रभार पर है।

डेढ़ लाख की अंग्रेजी शराब समेत 7 तस्कर गिरफ्तार किए

रायपुर। करपावंड थाना पुलिस ने आज दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर शराब की तस्करी में लिप्त 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 1.40 लाख रुपए कीमत की अंग्रेजी शराब जब्त की है। थाना प्रभारी हरिशचंद्र निषाद ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए औरंगाबाद (बिहार) निवासी मुन्ना सिंह और नवरंगपुर (ओडिशा) निवासी भूजो भतरा से 148 लीटर ओडिशा निर्मित अंग्रेजी शराब, जिसकी कीमत 38,760 रुपए है, जब्त की गई। इसी तरह दूसरे मामले में करपावंड क्षेत्र के दुर्योधन कश्यप, पितम नेताम, सोनूराम नेताम, नामेराम कश्यप और देवेंद्र कोर्राम को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से 349.820 लीटर अंग्रेजी शराब।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की पत्रकारों से चर्चा कहा

साय मंत्रिमंडल का फेरबदल असंवैधानिक 13वे मंत्री के लिये अनुमति कब लिया.....

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारों से चर्चा करते हुये कहा कि साय मंत्रिमंडल का फेरबदल असंवैधानिक है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री को मिला कर कुल 13 मंत्री ही बन सकते है। विस्तार के बाद संख्या 14 हो गई है। सरकार ने 13वें मंत्री के लिये अनुमति कब लिया तथा इसका गजट नोटिफिकेशन कब किया गया, इसको सार्वजनिक किया जाए, यदि बिना अनुमति के अतिरिक्त मंत्री को शपथ दिलाया गया है तो यह मंत्रिमंडल फर्जी है। एक मंत्री को तत्काल हटाया जाना चाहिये। कांग्रेस पार्टी लगातार इस मामले को उठा रही लेकिन सरकार की तरफसे कोई भी तार्किक जवाब नहीं दिया

गया और न ही अनुमति के बारे में कोई जवाब आया इसका मतलब सरकार ने कोई अनुमति लिए बिना एक अतिरिक्त मंत्री बना दिया है जो फर्जी है। मंत्रिमंडल के विभाग फेरबदल में गृहमंत्री भी बदलना था। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा गृह विभाग संभाल नहीं पा रहे है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा 20 महीनें में परफॉर्मेंस दिखाने में असफल साबित हो गए हैं। आए दिन हत्या चाकूबाजी, लूटपाट, डकैती, अपहरण, बलात्कार, गोलीबारी की घटनाएं हो रही है, नशीली दवाइयों की तस्करी बढ़ गई है, जेल में भी आपराधिक बेलगाम हो रही हैं। प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से फ्लॉप हो गई है, अपराधी अनियंत्रित हो गये है। मुख्यमंत्री को उनसे गृह विभाग वापस लेकर किसी अन्य को देना था, ताकि प्रदेश की कानून व्यवस्था सुधरे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार की लापरवाही के कारण आयुष्मान योजना बंद होने वाली है। आयुष्मान योजना के तहत इलाज किये निजी अस्पतालों का भाजपा सरकार ने भुगतान रोक कर रखी है।

छत्तीसगढ़ में सितंबर आयुष्मान कार्ड से कैशलेस इलाज बंद....

■ अब गरीबों का कैसे होगा इलाज कहीं आईएमए और सरकार के बीच घुट न जाये स्वास्थ्य का दम

रायपुर। संवाददाता

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने घोषणा की है कि 1 सितंबर से प्रदेश के प्राइवेट अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड के माध्यम से कैशलेस इलाज की सुविधा रोक दी जाएगी। अगर सरकार सही वक्त पर फैसला नहीं लेती है तो छत्तीसगढ़ के गरीब जनता को इलाज के लिए दो-चार होना पड़ेगा। साथ ही निहायत जरुरी स्वास्थ्य सेवाओं से महरूम होना भी पड़ सकता है, क्योंकि छत्तीसगढ़ में आयुष्मान कार्ड से कैशलेस इलाज की सुविधा जल्द ही बंद हो सकती है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने घोषणा की है कि 1 सितंबर से प्रदेश के प्राइवेट अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड के माध्यम से कैशलेस इलाज की सुविधा रोक दी जाएगी। इस फैसले का सबसे बड़ा प्रभाव उन गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर होगा, जो आयुष्मान कार्ड के माध्यम से इलाज करवाते हैं। कई मरीज इस योजना पर निर्भर हैं और उन्हें अब अस्पताल में कैशलेस सुविधा न मिलने के कारण सीधे भुगतान करना पड़ सकता है। आईएमए ने बताया कि यह फैसला लंबे समय से अस्पतालों को योजना के तहत इलाज का भुगतान नहीं मिलने के कारण लिया गया है। संगठन के अनुसार, लगभग छह महीने से अस्पतालों को आयुष्मान योजना के तहत किए गए इलाज का भुगतान नहीं मिला है। इस कारण अब प्राइवेट अस्पताल कैशलेस सेवा जारी रखने में असमर्थ हैं। आईएमए का कहना है कि बिना भुगतान के यह सेवा वित्तीय रूप से संचालित नहीं की जा सकती। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार जल्द ही आईएमए के साथ बैठक कर समाधान निकालने की प्रक्रिया शुरू करेगी। राज्य सरकार का दावा है कि 2025 तक का पूरा भुगतान कर दिया गया। लेकिन आईएमए निजी अस्पतालों का दावा 350 करोड़ का भुगतान बकाया है, 6 माह से भुगतान बंद है। नियमित भुगतान का सिस्टम नहीं बन पाया है।

गणेश की प्रतिमाओं को लेने भक्त पहुंच रहे बाजे गाजे के साथ

रायपुर। पोरा सहित गणेश चतुर्थी में मूर्तियों की खरीददारों की भीड़ इस समय प्रमुख मार्गों में लगती जा रही है जिसके कारण प्रमुख मार्ग में यातायात प्रभावित हो रहा है। राजधानी में आज पोरा तिहार धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है इस अवसर पर मिट्टी तथा लकड़ी के बैल खरीदने के लिए आमापारा मालवीय रोड, अमिन पारा सहित अन्य स्थानों पर भारी भीड़ लगी हुई है। नगर निगम प्रशासन ने लोगों को गणेश चतुर्थी के पहले मूर्तियां ईदगाह भाठा मैदान में खरीदने की सलाह दी थी तथा मूर्तिकारों को वे ईदगाह भाठा में मूर्तियों का विक्रय करे ताकि आए दिन लोगों को यातायात परेशानी से बचाया जा सके। यह तैयार 26 अगस्त को शुरू हो रहा है। राजधानी के बड़े गणेशोत्सव के पदाध्किारी ने दुर्ग से अंजोरा से विशाल मूर्तियों का आर्डर देने पर इसे प्रतिमा स्थल पर लाकर रख दिया है। बड़े बड़े टेलर में इन प्रतिमाओं को लाया गया है। बूढ़ापारा तथा सदर बाजार में ऐ प्रतिमाएं टेलर में रखी हुर्ह है ।आज रामसागर पारा में बैलदोड़ का भी आयोजन किया जा रहा है ।यहांपर पारंपरिक ढंग से बैलों को सजाया जा रहा है। छग में तीजा त्योहार प्रमुख पर्व है इस अवसर पर विवाहित महिलाओं को घर में लाया जाता है तथा वे तीज उपास रखकर अपने पति की दीर्घायु की कामना करते है। प्रदेश में सभी लोकल सहित यात्री बसों में महिलाओं की भारी भीड़ लगी हुई है।

युक्तियुक्तकरण से परसदा स्कूल में शिक्षक पदस्थ

■ विद्यार्थियों ने बताया कि वर्षों से विद्यालय में शिक्षक की कमी बनी हुई थी, अब इस कमी की पूर्ति होने पर उन्हें बेहद खुशी है

रायपुर/ संवाददाता

कोरबा जिले के पाली ब्लॉक के ग्राम परसदा स्थित प्राथमिक शाला, जो वर्ष 1964 से निरंतर संचालित हो रही है, शिक्षा की ज्योति को आज भी प्रज्वलित किए हुए है। बीते छह दशकों से अनेक विद्यार्थियों ने इस विद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर अपना भविष्य संवार लिया। समय के साथ विद्यालय का भवन जर्जर हुआ, जिसे संवारकर पुन: उपयोग योग्य बनाया गया। किन्तु वर्षों से शिक्षक पद रिक्त होने के कारण यहाँ अध्ययनरत विद्यार्थियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। राज्य शासन द्वारा की गई युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया से इस समस्या का समाधान संभव हो सका। इसी के अंतर्गत इस सत्र में विद्यालय को नियमित शिक्षक प्राप्त हुआ है। श्री रूपेश कश्यप की यहाँ नियुक्ति हुई है। अब 46 विद्यार्थी नियमित रूप से कक्षाओं का लाभ उठा रहे हैं। शिक्षक श्री कश्यप ने बताया कि वे इस विद्यालय से जुड़े होने पर गर्व महसूस कर रहे हैं, क्योंकि यह विद्यालय उनके अपने गाँव का है। विद्यार्थियों ने भी नए शिक्षक के आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त की है। छात्र अभिषेक राजपूत, नीतेश, अनुराग राजपूत तथा छात्राएँ हिना, अनामिका, आदिति और दीपल ने बताया कि अब उनकी कक्षाएँ नियमित रूप से लग रही हैं। गुरुजी पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। विद्यार्थियों ने बताया कि वर्षों से विद्यालय में शिक्षक की कमी बनी हुई थी, अब इस कमी की पूर्ति होने पर उन्हें बेहद खुशी है। इसी प्रकार ग्राम परसदा के लाइनपारा स्थित प्राथमिक विद्यालय, जहाँ 34 विद्यार्थी पंजीकृत हैं, में भी युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया से शिक्षिका श्रीमती नेमी जायसवाल की पदस्थापना हुई है। यह विद्यालय पूर्व में एकल शिक्षकीय था। यहाँ अध्ययनरत छात्राएँ मानसी, पायल और पुनिशा ने बताया कि शिक्षिका के आने से अब नियमित रूप से पढ़ाई हो रही है। विद्यालय के प्रधानपाठक श्री नोहर प्रसाद साहू ने कहा कि युक्तियुक्तकरण से शिक्षिका की नियुक्ति होने से न केवल विद्यार्थियों को लाभ हुआ है बल्कि विद्यालय संचालन में भी सहूलियत हुई है। इस प्रकार, राज्य शासन की युक्तियुक्तकरण पहल से परसदा के इन विद्यालयों में शिक्षा की निरंतरता और गुणवत्ता सुनिश्चित हुई है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने किया नालंदा परिसर का भूमिपूजन

4.71 करोड़ की लागत से बनेगा 250 सीटर सेंट्रल लाइब्रेरी-सह-रीडिंग जोन-अरुण साव

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज कांकेर में नगर घड़ी चौक के पास नालंदा परिसर (सेंट्रल लायब्रेरी-सह-रीडिंग जोन) का भूमिपूजन किया। चार करोड़ 71 लाख रूपए की लागत से इस 250 सीटर लाइब्रेरी का निर्माण किया जा रहा है। सांसद श्री भोजराज नाग और विधायक श्री आशाराम नेताम भी इस दौरान उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने नालंदा परिसर के निर्माण के लिए भूमिपूजन करने के बाद कांकेरवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में लगातार विकास कार्यों की स्वीकृति दी जा रही है। जनसुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश

के नगरीय निकायों को स्वच्छता में रैंकिंग में सात अवॉर्ड प्राप्त हो चुके हैं जो नागरिकों की जागरूकता और नगरीय प्रशासन विभाग की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हैं। श्री साव ने कार्यक्रम में बताया कि पिछले एक साल में प्रदेश भर के नगरीय निकायों को सात हजार करोड़ रूपए से अधिक की राशि आबंटित की गई है। कांकेर नगर पालिका को भी 21 करोड़ रूपए विभिन्न विकास कार्यों को पूर्ण करने के लिए जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार बनते ही पीएससी घोटाले की जांच कराकर युवाओं के साथ न्याय किया गया। इसी तरह मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत स्कूलों और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया गया जिससे प्रदेशभर के 300 से अधिक शिक्षकविहीन विद्यालयों में शिक्षक पदस्थ किए गए तथा 5 हजार एकल शिक्षकीय विद्यालयों में अध्यापकों की व्यवस्था की गई। उप मुख्यमंत्री ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि 'सिटी डेवलपमेंट प्लान' के तहत आगे भी विकास कार्यों के लिए कांकेर जिले के नगरीय निकायों को पर्याप्त राशि दी जाएगी। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए नालंदा परिसर का लाभ लेने और अपना भविष्य संवारने की बात कही।

संपादकीय

भारत के मजबूत बाजार से डोनाल्ड ट्रंप परेशान

भारत पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका कुछ समय से पाबंदियां लगा रहा है। इसके पक्ष में वह जिस तरह के तर्क गढ़ता है, उसका कोई ठोस आधार नहीं। अब अमेरिका का कहना है कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म करने के लिए भारत पर शुल्क लगाया गया है। दरअसल, हाल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर पच्चीस फीसद शुल्क लगा दिया था। उसके बाद उन्होंने रूस से तेल खरीदने पर पच्चीस फीसद अतिरिक्त शुल्क लगाने का एलान कर दिया। सवाल है कि रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत की कोई उपस्थिति न होते हुए भी उस पर नाहक दबाव क्यों बनाया जा रहा है? कायदे से इस युद्ध को खत्म कराने के लिए अमेरिका को भारत की बजाय रूस और यूक्रेन के बीच सीधी मध्यस्थता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसमें दोराय नहीं कि भारत विश्व की एक बड़ी अर्थव्यवस्था है और वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाएगा। बुधवार को रूसी मिशन के उपप्रमुख रोमन बाबुश्किन ने भी कहा कि कच्चे तेल की खरीद को लेकर भारत पर किसी तरह का दबाव बनाना पूरी तरह अनुचित है।दरअसल, भारत पर लगातार दबाव बनाने और शुल्क थोपने के पीछे अमेरिका की अपनी रणनीति है। वह चाहता है कि भारत अपना कृषि और डेयरी बाजार उसके लिए खोले। इसीलिए वह कच्चे तेल की खरीद से लेकर रूस से रक्षा और ऊर्जा संबंधों को पटरी से उतारने की कोशिश कर रहा है। यूक्रेन युद्ध के बीच रूसी राष्ट्रपति पर दबाव बनाना समझ में आता है, मगर इसकी आड़ में भारत पर शुल्क लगाने का क्या औचित्य है? भारत ने इस समय संतुलित रुख अपनाया है और राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखा है।हालांकि, क्रेडिट रेटिंग एजंसी 'क्रिसिल' का अनुमान है कि अमेरिकी शुल्क का कपड़ा, आभूषण और रसायन क्षेत्र से जुड़े सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम पर असर पड़ सकता है। मगर, भारत ने अब अपने घरेलू बाजार को मजबूत करना शुरू कर दिया है और साथ ही अन्य विदेशी बाजारों की तलाश भी जा रही है। उम्मीद है कि ये प्रयास अमेरिकी शुल्क की चुनौती से पार पाने में कारगर साबित होंगे।

अगस्त का महीना अनेक अंतर्राष्ट्रीय दिवसों की वजह से विशेष महत्व रखता है। युवा दिवस, मित्रता दिवस, हिरोशिमा दिवस, अंगदान दिवस, स्तनपान दिवस, आदिवासी दिवस, मच्छर दिवस, फोटोग्राफी दिवस, मानवीय दिवस आदि की तरह एक महत्वपूर्ण दिवस है-विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस, जो हर वर्ष वृद्धों को समर्पित किया जाता है। यह दिन वरिष्ठ नागरिकों के स्वस्थ, सम्मानजनक और खुशहाल जीवन के लिए दुनियाभर में मनाया जाता है। इसकी आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि आधुनिक समाज में वृद्धपीढ़ी उपेक्षा, अवमानना और अकेलेपन का शिकार होती जा रही है। जिस पीढ़ी ने अपने खून-पसीने से परिवार और समाज की नींव रखी, वही पीढ़ी आज भावनात्मक रिक्तता और उदासी में जीने को विवश है। चेहरे पर झुर्रियां, आंखों में धुंधलापन, तन की थकान और मन की उदासी हमारी आधुनिक सोच और स्वार्थपूर्ण जीवनशैली की त्रासदी को बयां करते हैं।

वरिष्ठजन हैं अनुभव की विरासत एवं भविष्य की शक्ति

(ललित गर्ग)

वरिष्ठ नागरिक दिवस इसी चेतना को जगाने का अवसर है। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि हमें बुजुर्गों के ज्ञान, अनुभव और निरंतर योगदान की सराहना करनी चाहिए। 2025 में यह विशेष दिवस 21 अगस्त को मनाया जाएगा।

अगस्त का महीना अनेक अंतर्राष्ट्रीय दिवसों की वजह से विशेष महत्व रखता है। युवा दिवस, मित्रता दिवस, हिरोशिमा दिवस, अंगदान दिवस, स्तनपान दिवस, आदिवासी दिवस, मच्छर दिवस, फोटोग्राफी दिवस, मानवीय दिवस आदि की तरह एक महत्वपूर्ण दिवस है-विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस, जो हर वर्ष वृद्धों को समर्पित किया जाता है। यह दिन वरिष्ठ नागरिकों के स्वस्थ, सम्मानजनक और खुशहाल जीवन के लिए दुनियाभर में मनाया जाता है। इसकी आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि आधुनिक समाज में वृद्धपीढ़ी उपेक्षा, अवमानना और अकेलेपन का शिकार होती जा रही है। जिस पीढ़ी ने अपने खून-पसीने से परिवार और समाज की नींव रखी, वही पीढ़ी आज भावनात्मक रिक्तता और उदासी में जीने को विवश है। चेहरे पर झुर्रियां, आंखों में धुंधलापन, तन की थकान और मन की उदासी हमारी आधुनिक सोच और स्वार्थपूर्ण जीवनशैली की त्रासदी को बयां करते हैं।

भारत जैसे देश में, जहां माता-पिता और बुजुर्गों को भगवान समान माना गया, जहां श्रीराम ने पिता की आज्ञा से राजपाट त्याग दिया और श्रवणकुमार ने अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर तीर्थयात्रा कराई, वहां आज संतान और बुजुर्ग माता-पिता के बीच दूरियां क्यों बढ़ रही हैं? क्यों वरिष्ठजन स्वयं को निरर्थक और अनुपयोगी समझने को विवश हैं? यह प्रश्न केवल परिवार के विघटन का नहीं है, यह नई पीढ़ी के संस्कार और समाज की आत्मा से भी जुड़ा है, यह नये समाज एवं नये राष्ट्र की आदर्श संरचना से भी जुड़ा है। वरिष्ठजन परिवार और समाज के लिए ताकत और सम्बल हुआ करते थे, वे जीवन को संवारने का सबसे बड़ा माध्यम थे। उनकी सूझ-बूझ, अनुभव और ज्ञान की संपदा समाज के लिए अमूल्य थी। फिर भी क्यों हम उनकी उपेक्षा कर रहे हैं? क्यों उनके अनुभवों का उपयोग करने से कतराते हैं? इस विडंबना को समझने के लिए हमें यह मानना होगा कि उपेक्षा का यह गलत प्रवाह केवल बुजुर्गों को ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों के बीच भावनात्मक दूरी और संवेदना की कमी को भी बढ़ा रहा है। यदि यह प्रवृत्ति इसी तरह बढ़ती रही तो परिवार और समाज अपनी नैतिक जिम्मेदारी से विमुख हो जाएंगे। नई और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद और संवेदनशीलता का सेतु टूट जाएगा और यह स्थिति किसी भी दृष्टि से हितकर नहीं है। जरूरत इस बात की है कि वरिष्ठजनों को उनके अंतिम पड़ाव में मानसिक शांति और सम्मान का माहौल मिले, वृद्धजन को भार नहीं, आभार माने, वृद्धों को बंधन के रूप में नहीं, आत्मगौरव के रूप में स्वीकारें, वृद्धों की शाम उदासी नहीं, उमंग का माध्यम बने।

वरिष्ठ नागरिक दिवस इसी चेतना को जगाने का अवसर है। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि हमें बुजुर्गों के ज्ञान, अनुभव और निरंतर योगदान की सराहना करनी चाहिए। 2025 में यह

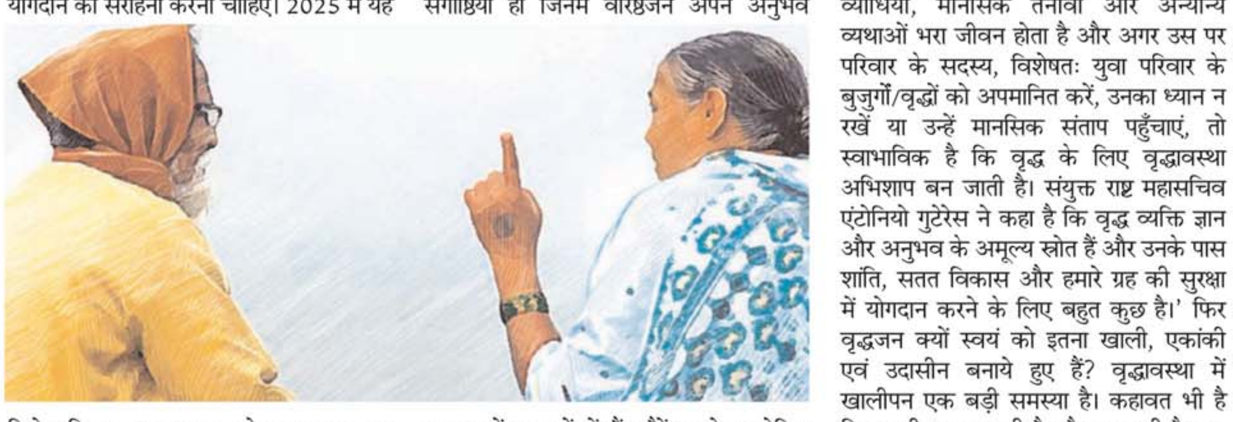

विशेष दिवस 21 अगस्त को मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य परिवारों, मित्रों और संगठनों को प्रेरित करना है कि वे बुजुर्गों का सम्मान करें और उनके अधिकारों की रक्षा करें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी जड़ें अमेरिका से जुड़ी हैं, जहां राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने 1988 में इस दिवस की शुरुआत की। तब से यह दिवस सीमाओं से परे फैल गया है और संयुक्त राष्ट्र सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संगठन वृद्धावस्था की गरिमा और अधिकारों पर जोर दे रहे हैं। इस दिवस की इस वर्ष की थीम है-समावेशी भविष्य के लिए वृद्धजनों की आवाज को सशक्त बनाना। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि वरिष्ठजनों की बात ध्यान से सुनी जाए और परिवार, समुदाय और नीतिगत निर्णयों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। यह विषय एक कार्रवाई का आह्वान है कि उम्र कभी भी भागीदारी और नेतृत्व में बाधा नहीं बननी चाहिए। वरिष्ठों को नेतृत्व के अवसर देना, उनकी कहानियां सुनना, उनकी सलाह लेना, उन्हें रचनात्मक दायित्व सौंपना, यही सच्चे सम्मान का मार्ग है। अध्ययनों से यह तथ्य सामने आया है कि जीवन संबंधी जटिल समस्याओं को हल करने में बुजुर्गों की सोच, धैर्य और दृष्टिकोण युवा पीढ़ी की तुलना में अधिक परिपक्व साबित होता है। यदि उन्हें कोई लक्ष्य दिया जाए तो वे अपनी धीमी गति की भरपाई अपने पैने नजरिए और बेहतर योजनाओं से कर लेते हैं। पारदर्शी सोच, परिणामों का आकलन और अच्छे-बुरे का विवेक जैसे गुण बुजुर्गों में अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसीलिए दफ्तरों, संस्थाओं और घरों में उन्हें उपेक्षित करना अनुचित ही नहीं, बल्कि हमारे लिए नुकसानदेह भी है।

समाज में कई स्तरों पर ऐसे कदम उठाए जा सकते हैं, जिनसे बुजुर्ग स्वयं को उपेक्षित न महसूस करें। परिवारों में नियमित रूप से संगोष्ठियां हों जिनमें वरिष्ठजन अपने अनुभव साझा करें। स्कूलों में ग्रैंड-पैरेंट्स डे आयोजित हो, जिससे बच्चे अपने दादा-दादी से सीख सकें और बुजुर्गों को सक्रियता और अपनापन महसूस हो। समाज और धार्मिक संस्थाओं को संयुक्त संगोष्ठियां करनी चाहिए, जहां नई और पुरानी पीढ़ी एक-दूसरे को समझ सके। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और परिवारों को भी बुजुर्गों की क्षमताओं का रचनात्मक उपयोग करना चाहिए। छोटे-छोटे आयोजन जैसे परिवार के भोज, स्मृति पुस्तकों का निर्माण, या बच्चों और बड़ों के बीच कौशल साझा करने की गतिविधियां पीढ़ियों के बीच पुल का काम कर सकती हैं। आने वाले वर्षों में इसकी प्रासंगिकता और बढ़ जाएगी। 2050 तक दुनिया की लगभग 22 प्रतिशत आबादी 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की होगी। वृद्धजन समाज और परिवार को ज्ञान, परंपरा और स्वयंसेवा से समृद्ध करेंगे, लेकिन साथ ही उन्हें स्वास्थ्य समस्याओं, अकेलेपन और सामाजिक उपेक्षा जैसी चुनौतियों का भी सामना करना होगा। इसलिए जरूरी है कि हम आज से ही एक ऐसे समाज का निर्माण करें जिसमें उम्र सम्मान और गरिमा की पहचान बने, न कि उपेक्षा की।

प्रश्न है कि दुनिया में वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की सांझ है। वस्तुतः वर्तमान के भागदौड़, आपाधापी, अर्थ प्रधानता व नवीन चिन्तन तथा मान्यताओं के युग में जिन अनेक विकृतियों, विसंगतियों व प्रतिकूलताओं ने जन्म लिया है, उन्हीं में से एक है वृद्धों की उपेक्षा। वस्तुतः वृद्धावस्था तो वैसे भी अनेक शारीरिक व्याधियों, मानसिक तनावों और अन्यान्य व्यथाओं भरा जीवन होता है और अगर उस पर परिवार के सदस्य, विशेषतः युवा परिवार के बुजुर्गों/वृद्धों को अपमानित करें, उनका ध्यान न रखें या उन्हें मानसिक संताप पहुँचाएं, तो स्वाभाविक है कि वृद्ध के लिए वृद्धावस्था अभिशाप बन जाती है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि वृद्ध व्यक्ति ज्ञान और अनुभव के अमूल्य स्रोत हैं और उनके पास शांति, सतत विकास और हमारे ग्रह की सुरक्षा में योगदान करने के लिए बहुत कुछ है।' फिर वृद्धजन क्यों स्वयं को इतना खाली, एकांकी एवं उदासीन बनाये हुए हैं? वृद्धावस्था में खालीपन एक बड़ी समस्या है। कहावत भी है कि खालीपन सजा भी है और मजा भी है। यह वृद्धावस्था को प्राप्त लोगों पर ही निर्भर है कि वे खालीपन में मजा ले रहे हैं, आनन्द ले रहे हैं या उसे सजा बना रहे हैं। धर्म की जड़ पाताल में और पाप की जड़ अस्पताल में, यह साक्षात् अनुभव करते हुए वृद्धजन अपने वृद्धावस्था को उपयोगी बनाये।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाने की सार्थकता तभी है जब हम वृद्धों की देखभाल करने के दायित्व का निर्वाह ईमानदारी से करें, जिन्होंने कभी हमारी देखभाल की थी, सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। उम्र दरअसल उन वर्षों की गिनती है जिनमें दुनिया ने हमारे साथ यात्रा की है। बुजुर्ग जीवित पुस्तकालय हैं, जिनमें ज्ञान की अनगिनत दुनिया छिपी है। उनका सम्मान करना अपने भविष्य का सम्मान करना है, और यही शक्ति, अनुग्रह और विरासत को सहेजने का मार्ग है। यह दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम बुजुर्गों को केवल जीने के लिए ही नहीं, बल्कि सम्मान और उत्साह के साथ जीने का अधिकार देंगे। हमें अतीत का सम्मान करना है, वर्तमान को संजोना है और सभी उम्र के लोगों के लिए एक समावेशी भविष्य की आशा करनी है। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।

सेहतमंद भारत की मंजिल पर पहुंचने के पांच रास्ते

(चंद्रकांत लहारिया)

आजादी के बाद से भारत ने स्वास्थ्य-सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। सन् 1947 में हमारी राष्ट्रीय जीवन प्रत्याशा 32 वर्ष थी, जो बढ़कर आज 70 वर्ष के आस-पास हो चुकी है। शिशु मृत्यु-दर समेत सभी आयु-वर्गों में मृत्यु दर में कमी आई है। लोग लंबा और स्वस्थ जीवन जी रहे हैं। फिर भी, हम नई-पुरानी उपलब्धियों पर गर्वित होकर बैठ नहीं सकते। वैसे भी, पुरानी चुनौतियां खत्म हो जाती हैं, तो नई सामने आती हैं और हमें उनके लिए तैयार रहना पड़ता है।

वर्तमान में हमारे पास युवाओं की संख्या सर्वाधिक है, मगर आने वाले वर्षों में बुजुर्गों की तादाद काफी बढ़ने वाली है। जाहिर है, तब स्वास्थ्य क्षेत्र की जरूरतें अलग किस्म की होंगी। इसके साथ ही देश में स्वास्थ्य संबंधी कई विषमताएं हैं। ये विषमताएं राज्यों के भीतर हैं, राज्यों के बीच में भी हैं और विभिन्न सामाजिक-आर्थिक वर्गों में भी हैं। इनमें से कुछ चुनौतियों से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति-2017 में उपाय किए गए हैं, पर भविष्य की बेहतर स्वास्थ्य-सेवाओं के लिए पांच क्षेत्रों में ठोस और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है-

सबसे पहले, देश में बढ़ते गैर-संचारी रोगों को देखते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को नए सिरे से संगठित करने और इन केंद्रों को बुजुर्गों की सुविधा के अनुकूल बनाने की आवश्यकता है। सन् 1950 के दशक से इस सदी के शुरुआती दौर तक, भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली संक्रामक रोगों और मां-बच्चे की स्वास्थ्य जरूरतों के अनुरूप चल रही थी। अब, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और मोटापा जैसी गैर-संचारी बीमारियां आम हो गई हैं। इसलिए भारत में गैर-संचारी, संक्रामक और मातृ-शिशु संबंधी बीमारियों की तिगुनी जरूरत को पूरा करने के लिए इन केंद्रों को तैयार किया जाना चाहिए। 2017 में 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी फॉर इंडिया' में पाया गया कि देश में 60 प्रतिशत से अधिक मौतें गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के कारण होती हैं। इसलिए, ग्रामीण, शहरी और आदिवासी क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की कार्यक्षमता को मजबूत किया जाना चाहिए। इसके लिए इलाज को सस्ता बनाना होगा।

दूसरा क्षेत्र, एआई और मशीन लर्निंग का उपयोग करके अत्याधुनिक संक्रामक रोग निगरानी और उपचार एवं डाटा विश्लेषण प्रणाली तैयार करना है। स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए बढ़े बजट से इसे पूरा किया जाना चाहिए। हाल के वर्षों में कोरोना, डेंगू, चिकनगुनिया और मौसमी सर्दी-जुकाम के नियमित प्रकोपों के अनुभव से महसूस किया गया है कि एक तत्पर सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की सख्त जरूरत है। इसके लिए मेडिकल कॉलेजों या जिला अस्पतालों को प्रहरी केंद्र के रूप में जिम्मेदारी दी जानी चाहिए।

तीसरा क्षेत्र शिशु विकास और स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य पर केंद्रित होना चाहिए, क्योंकि अभी के बच्चे ही आगे युवा कार्यबल बनेंगे। चौथी बात, देखभाल के सभी स्तरों पर मानसिक स्वास्थ्य को शामिल करना चाहिए। भारत में अवसाद, चिंता, मादक द्रव्यों के सेवन और आत्महत्या जैसे मामलों की सर्वाधिक उपेक्षा की जाती है। अवसाद हर पांच में से एक गर्भवती महिला को प्रभावित करता है और हर साल लगभग 50 लाख महिलाएं इसकी शिकार बनती हैं। बुजुर्गों का मानसिक स्वास्थ्य भी अहम मुद्दा है।

आखिर में, हमें एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य दृष्टिकोण बनाने की जरूरत है। कुत्तों के काटने, मौसमी, मच्छर जनित और गर्मी से होने वाली बीमारियों में वृद्धि याद दिलाती है कि हमें समग्र रूप से सोचने की जरूरत है। भारत में वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, अस्वच्छता और शहरी भीड़ लोगों में श्वास संबंधी, पेट संबंधी और अन्य रोगों के प्रमुख वाहक हैं। शहरों में सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, पुराने डीजल वाहनों को हटाना, औद्योगिक उत्सर्जन मानकों को लागू करना और हरित बफर जोन बनाना जरूरी है।

'स्वस्थ भारत-2047' कोई आकांक्षा नहीं, बल्कि हमारे राष्ट्र के लिए आवश्यक है। उपरोक्त पांच रणनीतिक और परस्पर जुड़े क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करके अगले दो दशकों में समन्वित, सुवित्तपोषित और समुदाय-आधारित कार्रवाई सुनिश्चित करके, भारत अपने नागरिकों के स्वास्थ्य में बदलाव ला सकता है।(लेखक वरिष्ठ चिकित्सक और नीति विशेषज्ञ)(ये लेखक के अपने विचार हैं)

माखनलालजी का समाचारपत्र 'कर्मवीर' बना अनूठा शिलालेख

स्मारक, भवन, परिसर इत्यादि के भूमिपूजन या उद्घाटन प्रसंग पर पत्थर लगाने (शिलालेख) की परंपरा का निर्वहन किया जाता है। यह इस बात का दस्तावेज होता है कि वास्तु का भूमिपूजन/ उद्घाटन / लोकार्पण कब और किसके द्वारा सम्पन्न किया गया। ये शिलालेख एक प्रकार से इतिहास और महत्वपूर्ण घटनाओं के विवरण को समझने में सहायता करते हैं। इन शिलालेखों का एक तयशुदा प्रारूप है, हम सबने देखे ही हैं। किंतु, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के नवीन परिसर में स्वतंत्रतासेनानी एवं प्रखर संपादक पंडित माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा अनावरण के प्रसंग पर लगाया गया शिलालेख अनूठा है और अपने आप में अद्भुत है। मुझे विश्वास है कि ऐसा शिलालेख आपने पहले नहीं देखा होगा।

(लोकेन्द्र सिंह राजपूत)

प्रतिमा दादा माखनलाल चतुर्वेदी की है, इसलिए उनके ही समाचारपत्र 'कर्मवीर' को शिलालेख बनाया गया है। हम सब जानते हैं कि माखनलालजी और कर्मवीर एक-दूसरे के पर्याय हैं। इस शिलालेख पर क्रांतिकारी समाचार पत्र 'कर्मवीर' का पंजीयन क्रमांक-एन.338 भी अंकित है।

स्मारक, भवन, परिसर इत्यादि के भूमिपूजन या उद्घाटन प्रसंग पर पत्थर लगाने (शिलालेख) की परंपरा का निर्वहन किया जाता है। यह इस बात का दस्तावेज होता है कि वास्तु का भूमिपूजन/ उद्घाटन / लोकार्पण कब और किसके द्वारा सम्पन्न किया गया। ये शिलालेख एक प्रकार से इतिहास और महत्वपूर्ण घटनाओं के विवरण को समझने में सहायता करते हैं। इन शिलालेखों का एक तयशुदा प्रारूप है, हम सबने देखे ही हैं। किंतु, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के नवीन परिसर में स्वतंत्रतासेनानी एवं प्रखर संपादक पंडित माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा अनावरण के प्रसंग पर लगाया गया शिलालेख अनूठा है और अपने आप में अद्भुत है। मुझे विश्वास है कि ऐसा शिलालेख आपने पहले नहीं देखा होगा। माखनलालजी की प्रतिमा के 'पेडस्टल' पर आपको समाचारपत्र का प्रथम पृष्ठ चस्पा दिखायी देगा। दरअसल, समाचारपत्र का यह 'फ्रंट पेज' ही दादा माखनलाल चतुर्वेदी की इस प्रतिमा का 'शिलालेख' है। यह रचनात्मक और अभिनव शिलालेख अपने सृजनात्मक लेखन के लिए पहचाने जानेवाले विश्वविद्यालय के कुलगुरु श्री विजय मनोहर तिवारी की सुंदर कल्पना है। अगर आप माखनलालजी की प्रतिमा के समीप आ रहे हैं, तो यह शिलालेख आपको विश्वविद्यालय की 35 वर्ष की यात्रा, उसकी उपलब्धियों और भविष्य के स्वप्नों से भेंट करा देगा।

प्रतिमा दादा माखनलाल चतुर्वेदी की है, इसलिए उनके ही समाचारपत्र 'कर्मवीर' को शिलालेख बनाया गया है। हम सब जानते हैं कि माखनलालजी और कर्मवीर एक-दूसरे के पर्याय हैं। इस शिलालेख पर क्रांतिकारी समाचार पत्र 'कर्मवीर' का पंजीयन क्रमांक- एन.338 भी अंकित है। दादा माखनलाल चतुर्वेदी जब कर्मवीर के प्रकाशन के

लिए अनुमति पत्र प्राप्त करने ब्रिटिश शासन के अधिकारी के पास गए थे, उसका रोचक किस्सा है। उस किस्से को आप पढ़िए। वह किस्सा बताता है कि दादा माखनलाल चतुर्वेदी और कर्मवीर की पत्रकारिता के तेवर क्या रहे होंगे। इस शिलालेख पर वह सब विवरण बहुत ही रोचक अंदाज में दर्ज है, जो सामान्य शिलालेखों पर दर्ज रहता है। प्रतिमा का अनावरण कब हुआ? इस प्रश्न का उत्तर आपको समाचारपत्र की 'फोलिया लाइन' में मिलेगा, जिसमें अंकित है- बिशनखेड़ी, भोपाल 7 भाद्रपद, कृष्ण पक्ष, द्वादशी सम्वत 2082 7 बुधवार, 20 अगस्त, 2025।

आठ कॉलम में फैली 'टॉप बॉक्स न्यूज' में आपको पता चलेगा कि प्रतिमा का अनावरण विश्वविद्यालय की महापरिषद के माननीय अध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रसिद्ध कवि डॉ. कुमार विश्वास और कुलगुरु श्री विजय मनोहर तिवारी के द्वारा किया गया। इनके अतिरिक्त स्थानीय विधायक श्री भगवानदास सबनानी, आयुक्त जनसंपर्क डॉ. सुदाम खाड़े, इंदौर लिटरेचर फेस्टीवल के सूत्रधार श्री प्रवीण शर्मा, शब्दवेत्ता श्री अजीत वडनेरकर, वानिकी विशेषज्ञ डॉ. सुदेश वाघमारे सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। यह लीड न्यूज स्वयं कुलगुरु श्री विजय मनोहर तिवारी ने ही लिखी है।

शिलालेख पर प्रतिमा की विशेषताएं भी दर्ज है। जैसे- बहुधातु से निर्मित दादा माखनलाल चतुर्वेदी की यह प्रतिमा 12 फीट ऊंची और 11 सौ किलोग्राम वजनी है।इतना ही नहीं, यह शिलालेख विश्वविद्यालय की 35 वर्ष की गौरवशाली परंपरा से भी परिचय कराता है। साथ ही, पंडित माखनलाल चतुर्वेदी के उस 'विचार बीज' का स्मरण भी कराता है, जो विश्वविद्यालय की नींव में है। दक्ष पत्रकारों के निर्माण के लिए एक विद्यापीठ की मूल कल्पना माखनलालजी ने ही की थी, जो 1990 में जाकर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के रूप में साकार हुई। भोपाल में त्रिलंगा स्थित छोटे-से भवन से शुरू हुई यह यात्रा महाराणा प्रताप नगर में स्थित विकास भवन से होकर दो वर्ष पूर्व ही बिशनखेड़ी स्थित 50 एकड़ के परिसर में पहुँच गई है। यह शिलालेख बताता है कि विश्वविद्यालय से दीक्षित होकर निकले विद्यार्थी देश के प्रत्येक मीडिया संस्थान में चमक रहे हैं। पत्रकारिता विभाग से शुरू हुए विश्वविद्यालय में आज 10 शैक्षणिक विभाग हैं। प्रत्येक विभाग की यात्रा और उनके मील के पत्थरों की कहानी भी यह शिलालेख कहता है।

एक और विशेष बात है कि जिस 'पेडस्टल' दादा माखनलाल चतुर्वेदी सुशोभित हैं, उसके चारों और महान विचारों को स्थान दिया गया है। एक वक्तव्य- 'जन्मभूमि का सम्मान', महात्मा गांधीजी का है, जिसमें वह बता रहे हैं कि माखनलालजी के जन्मस्थान 'बाबई' (अब माखननगर) क्यों जा रहे हैं? गांधीजी कहते हैं कि जिस भूमि ने माखनलालजी को जन्म दिया, उसी भूमि को मैं सम्मान देना चाहता हूँ। दूसरा वक्तव्य- एक कविता 'जियो सदा माई के लाल' के रूप में राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त का है। यह कविता उन्होंने माखनलालजी के जन्मदिन के प्रसंग पर लिखी थीं। तीसरा वक्तव्य- 'लिखना माखनलालजी से सीखा' फिराक गोरखपुरी का है, जिसमें वह कह रहे हैं- उनके लेखों को पढ़ते समय ऐसा मालूम होता था कि आदि-शक्ति शब्दों के रूप में अवतरित हो रही है या गंगा स्वर्ग से उतर रही है।

संक्षिप्त समाचार

पुतिन से मुलाकात के बाद बदले ट्रंप के तेवर, दो हफ्ते में रूस पर लगेगा प्रतिबंध?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि दो हफ्ते में उन्हें पता चल जाएगा कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को समाप्त करने के उनके प्रयास में प्रगति संभव है या नहीं। उन्होंने फिर रूस पर प्रतिबंध लगाने की संभावना जताई। ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि शांति स्थापना के प्रयासों के किसी भी पहलू से वह खुश नहीं हैं। एक हफ्ते पहले ही ट्रंप ने अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से वार्ता की थी। वह अभी तक उन्हें यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बैठक के लिए सहमत नहीं कर पाए हैं। ट्रंप ने कहा, उनमें बहुत अधिक नफरत है। लेकिन देखते हैं कि क्या होता है। मुझे लगता है कि दो हफ्ते में हमें पता चल जाएगा कि मैं किस राह पर जा रहा हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह तभी तय करेंगे कि बड़े प्रतिबंध लगाने हैं या कुछ नहीं करना है और उनसे कहना है कि यह आपकी लड़ाई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को कहा कि रूस-अमेरिका संबंधों में उन्हें उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है। एक परमाणु अनुसंधान केंद्र के दौरे के दौरान पुतिन ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के आने से मुझे उम्मीद की किरण दिखाई देने लगी है। अलास्का में हमारी एक बहुत अच्छी, सार्थक और स्पष्टवादी बैठक हुई। आगे के कदम अब अमेरिका के नेतृत्व पर निर्भर हैं। लेकिन मुझे विश्वास है कि वर्तमान राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व के गुण इस बात की गारंटी हैं कि संबंध बहाल होंगे।

हसीना के पतन का असर: बांग्लादेश-पाकिस्तान की नजदीकी बढ़ी

ढाका, एजेंसी। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार शनिवार को बांग्लादेश की राजधानी ढाका पहुंचे। यह 2012 के बाद पहली बार है जब पाकिस्तान का कोई इतना बड़ा अधिकारी बांग्लादेश गया है। बीते 72 घंटों में दोनों देशों के कई बड़े नेताओं और सैन्य अधिकारियों की मुलाकातें हो चुकी हैं।डार ने कहा कि वह बांग्लादेश के अंतरिम नेता मोहम्मद यूनुस से भी मुलाकात करेंगे। रविवार को दोनों देशों के बीच एक व्यापार समझौता होने की उम्मीद है। विश्लेषकों का मानना है कि यह दौरा भारत के लिए चिंता का विषय हो सकता है। अगस्त 2024 में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से भारत-बांग्लादेश रिश्ते तनावपूर्ण हैं। वहीं, पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध अप्रैल के पहलगाम हमले और मई में हुए सैन्य संघर्ष के बाद बेहद नाजुक हो गए हैं। अमेरिकी विश्लेषक माइकल कूगलमान के मुताबिक, बांग्लादेश कभी भारत का सबसे करीबी साझेदार रहा है, लेकिन अब वह भारत के प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ नजदीकियां बढ़ा रहा है। शेख हसीना को भारत में शरण मिलने के बाद बांग्लादेश ने पाकिस्तान के साथ समुद्री व्यापार शुरू किया। फरवरी 2025 में दोनों देशों ने सरकारी स्तर पर व्यापार बढ़ाने का ऐलान किया। पिछले हफ्ते पाकिस्तान के वाणिज्य मंत्री जाम कमाल खान ने ढाका में निवेश बढ़ाने के लिए ज्वाइंट कमीशन बनाने पर सहमति जताई। इसके बाद शुक्रवार को दोनों देशों के शीर्ष सैन्य कमांडर भी मिले। बांग्लादेश कभी पाकिस्तान का हिस्सा रहा है और 1971 में अलग होकर स्वतंत्र हुआ था। आज भी ढाका के कई लोग पाकिस्तान से उस दौर की हत्याओं और अत्याचारों के लिए माफी की मांग करते हैं.। लेकिन मौजूदा अंतरिम नेता मोहम्मद यूनुस का रुख अलग है। वे भारत पर आरोप लगाते हैं कि उसने शेख हसीना को गंभीर अपराधों से बचाया। हसीना पर 2024 के छात्र आंदोलन को बलपूर्वक दबाने का आरोप है। यही आंदोलन इतना बड़ा हुआ कि उन्हें देश छोड़कर भारत भागना पड़ा। थॉमस कीन (इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप) का कहना है, हसीना का पतन भारत के लिए रणनीतिक झटका था, और बांग्लादेश-पाकिस्तान की नजदीकियां उसी का नतीजा हैं। फिलहाल, बांग्लादेश ने आवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया है और फरवरी 2026 में चुनाव होंगे। ढाका का आरोप है कि भारत अब भी आवामी लीग का समर्थन कर रहा है, जबकि भारत का कहना है कि उसकी जमीन किसी भी विदेशी राजनीतिक गतिविधि के लिए इस्तेमाल नहीं होती।

शराब पीकर गाड़ी चलाने के पुराने मामलों में निर्वासन का खतरा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के एचआर.875 या प्रोटेक्ट आवर कम्युनिटीज फ्रॉम डीयूआई एक्ट का समर्थन करने से अप्रवासी समुदाय, खासकर भारतीय प्रवासियों के लिए खतरा बढ़ गया है। शराब पीकर गाड़ी चलाने (डीयूआई-ड्राइव अंडर इन्फ्लूएंस) के पुराने मामलों में अब अमेरिका में निर्वासन के खतरे की घंटी से ग्रीन कार्ड व वीजा धारकों की चिंता बढ़ गई है। यह विधेयक हाउस में पास हो चुका है और अब इसे सीनेट में समर्थन मिल रहा है, जिसे व्हाइट हाउस का भी समर्थन प्राप्त है। अभी तक, कम गंभीर डीयूआई अपराधों के कारण आमतौर पर निर्वासन या अमेरिका में प्रवेश पर रोक नहीं लगती थी। लेकिन, विल के कानून बनने से स्थिति बदल जाएगी। आप्रवासन वकील जोसेफ त्सांग ने कहा, कानून बना तो किसी भी गैर अमेरिकी नागरिक को सिर्फ एक पुराने डीयूआई रिकॉर्ड के आधार पर अमेरिका से बाहर निकाला जा सकता है।

हवा में उड़ान भर रहा था विमान, अचानक कॉकपिट में आ घुसा यात्री और फिर जो हुआ

पेरिस, एजेंसी।
फ्रांस से पुर्तगाल जा रही ईजीजेट की एक उड़ान में शुक्रवार देर रात उस समय अफरातफरी मच गई जब डेलीरियम (प्रलाप) से पीड़ित एक यात्री ने विमान के कॉकपिट में जबरन घुसने की कोशिश की। इस अप्रत्याशित घटना के कारण विमान को वापस ल्योन हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। पुलिस और एयरलाइन कंपनी ने शनिवार (23 अगस्त, 2025) को इस घटना की पुष्टि की है।

सूत्रों के अनुसार ईजीजेट फ्लाइट इजेयू 4429 ने ल्योन से पुर्तगाल के पोर्टो के लिए उड़ान भरी ही थी कि यह घटना हो गई। यात्री की अजीबोगरीब हरकत ने अन्य यात्रियों को घबरा दिया। हालांकि अन्य यात्रियों ने मिलकर तुरंत उस व्यक्ति को काबू कर लिया और उसे तब तक रोके रखा जब तक कि विमान वापस ल्योन में नहीं उतर गया।

विमान के ल्योन में उतरते ही पुलिस ने उस यात्री को हिरासत में ले लिया। एयरलाइन ने बताया कि यात्री को हटाए जाने के बाद ही फ्लाइट को पोर्टो के लिए दोबारा रवाना किया गया। पुलिस ने बताया कि 26 वर्षीय यह पुर्तगाली नागरिक था। उसकी मेडिकल जांच से पता चला कि वह हवाई यात्रा के दौरान उल्टी और प्रलाप से पीड़ित था जिसकी वजह से उसका व्यवहार असामान्य हो गया था। उसे इलाज के लिए फ्रांस के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना ने एक बार फिर उड़ान के दौरान यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गाजा में इजरायल के भीषण हमले जारी, हवाई हमले में 33 फलस्तीनियों की मौत

गाजा, एजेंसी।
गाजा पट्टी में बेघर और भूखे-प्यासे फलस्तीनियों पर इजरायली हमले जारी हैं। टेंट में रह रहे और खाना लेने गए लोगों पर हवाई हमले और फायरिंग में शनिवार को 33 लोग मारे गए।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा सबसे बड़े शहर गाजा सिटी और उसके आसपास के इलाके को अकालग्रस्त घोषित किए जाने के बाद इजरायली सेना ने यह कार्रवाई की है।

नीदरलैंड्स के विदेश मंत्री कैस्पर वेल्डकैंप ने गाजा पर कार्रवाई को लेकर इजरायल पर प्रतिबंध लगाने में सरकार के विफल रहने के बाद इस्तीफा दे दिया है। शनिवार तड़के खान यूनिस शहर के बाहर लगे विस्थापितों के टेंट पर हुए हवाई हमले में 17 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हुए। मारे गए लोगों में आधी संख्या महिलाओं और बच्चों की है। मारे गए दो बच्चों के चाचा अवाद अबू अगला ने कहा कि गाजा में कोई भी जगह और कोई भी व्यक्ति सुरक्षित नहीं है। सभी जगह बमबारी हो रही है। जबकि उत्तरी गाजा में जिकिम क्रासिंग के निकट खाना लेने गए लोगों पर फायरिंग में पांच लोग मारे गए हैं। अन्य स्थानों पर हुए इजरायली हमलों में 11 लोग मारे गए हैं। इजरायली सेना ने कहा है कि सैनिकों के लिए खतरा पैदा होने पर हवाई फायरिंग की गई थी। किसी को निशाना बनाकर गोली नहीं चलाई गई। कुछ वर्षों पहले इजरायल को मान्यता देने वाले अरब देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने गाजा की स्थिति और वेस्ट बैंक को बांटने की इजरायली योजना की कड़ी निंदा की है। शनिवार तड़के यमन के ड्रोन हमले में इजरायली शहर तेल अवीव में कई लोग लोग घायल हुए और हजारों लोगों को कई घंटे तक भूमिगत सुरक्षित स्थलों में रहना पड़ा। इस हमले के चलते शहर के बेन गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमानों का आवागमन घंटों बाधित रहा।

शनिवार रात हवाई अड्डे पर यातायात सामान्य हो सका। इजरायली सेना ने दावा किया है कि यमनी हवाई हमले को रोकने की कई कोशिशों के बाद ड्रोनों को गिराया जा सका। इससे कुछ अव्यवस्था पैदा हुई। विदित हो कि यमन के हाउती संगठन ने दो हजार किलोमीटर दूरी से यह हमला किया था।

एमीन एर्दोगन ने मेलानिया से गाजा के लिए आवाज उठाने को कहा: तुर्किये की प्रथम महिला एमीन एर्दोगन ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी मेलानिया को पत्र लिखकर गाजा के बच्चों और महिलाओं के लिए भी आवाज उठाने का अनुरोध किया है। मेलानिया ने हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को पति ट्रंप के जरिये पत्र देकर यूक्रेन में बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए जल्द युद्ध खत्म करने का अनुरोध किया था।

पैर टूटा, न कोई फोन, न पानी; कैसे पत्रकार ने नॉर्वे के जंगलों में पेशाब पीकर बचाई जान

ओस्लो, एजेंसी।
नॉर्वे के फोल्गेफोना नेशनल पार्क से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। 38 वर्षीय अमेरिकी जलवायु पत्रकार एलेक लुहन नॉर्वे के फोल्गेफोन्ना नेशनल पार्क में एक भयानक हादसे के बाद छह दिनों तक जंगली इलाके में फंसे रहे। इस दौरान उन्होंने अपनी जान बचाने के लिए अपना मूत्र पिया और एक फफोले से निकले खून को चूसा। यह घटना जुलाई के अंत में हुई, जब लुहन अपनी पत्नी के साथ छुट्टियां मनाने नॉर्वे आए थे। लुहन एक अनुभवी हाइकर हैं। वे अकेले ही हाइक पर निकले और अपनी पत्नी को अपना यात्रा कार्यक्रम मैसेज कर दिया। पत्नी इंग्लैंड चली गईं।

हाइक के शुरुआत में ही उनके बाएं जूते का सोल निकलना शुरू हो गया, जिसे उन्होंने एथलेटिक टेप से बांधा, लेकिन इससे ट्रैक्शन प्रभावित हुआ। लगभग 4,000 फीट की ऊंचाई पर पहुंचने के बाद, रात करीब 10 बजे, कैंपिंग करने के बजाय उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। इसी दौरान वे फिसल गए और पहाड़ से नीचे गिरते हुए पिनबॉल की तरह घूमते हुए एक चट्टान पर जा गिरे। इस हादसे में उनकी जांघ की हड्डी टूट गई, पेल्विस और वर्टिब्रा में फ्रैक्चर हो गया, हाथों पर गहरे घाव आए और सिर में चोट लगी। गिरते समय उनकी पानी की बोतल और आईफोन भी गिर गए, और वे बेहोश हो गए। लुहन अमेरिका के विस्कॉन्सिन से हैं। उन्होंने सीएनएन को बताया, मुझे याद है.. मैं सोच रहा था 'यह बहुत बुरा है। यह किसी आपदा फिल्म की शुरुआत है।' यह वह पल था जब सब कुछ पूरी तरह से बदल गया। अनुभवी होने के नाते, उन्होंने अपनी पत्नी को पहले ही बता दिया था कि वहां सिग्नल की समस्या हो सकती है। उन्होंने बताया, मुझे याद है कि मैं पहले पहाड़ से फिसला, फिर लुढ़कता हुआ नीचे गया, और फिर पहाड़ से टकराता हुआ नीचे गिरा। जब वह रुके, तो उनकी जांघ की हड्डी टूट चुकी थी। उन्होंने कहा, मेरा बायां पैर बेकार हो चुका था, वह किसी भी दिशा में लटक रहा था।उनका बैकपैक फट गया, और उनके सामान- जिसमें फोन और पानी शामिल थे सब खो गए। लुहन ने खुद को कई दिनों की एकांतवास के लिए तैयार किया। उनकी पत्नी को इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि वह पहले ही गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। पहले कुछ दिन कठिन परीक्षा जैसे थे। बिना पानी के खाना निगलना असंभव था। हताशा में, उन्होंने अपनी पेशाब को पीना शुरू किया।उन्होंने कहा, जब मुझे अगली बार पेशाब करना था, मैंने उसे अपने पानी के पाउच में लिया। मैंने अपने मूत्र को पिया, ताकि थोड़ी हाइड्रेशन मिले और थोड़ा खाना निगल सकूं। लंदन में, उनकी पत्नी ने तब चिंता शुरू की जब लुहन अपनी वापसी की उड़ान में नहीं पहुंचे और उन्होंने नॉर्वे के अधिकारियों को सूचित किया। खराब मौसम ने शुरुआती खोज को मुश्किल बना दिया, लेकिन 6 अगस्त को, उनकी दुर्घटना के लगभग एक सप्ताह बाद, एक सफलता मिली। पत्रकार ने कहा, मैं सुबह उठा। बहुत ठंड थी, सब कुछ गीला थाज और फिर हेलीकॉप्टर आया। पहले तो हेलीकॉप्टर उन्हें देखकर निकल गया। दृढ़ संकल्प के साथ, उन्होंने एक तंबू के खंभे और रूमाल से झंडा बनाया। उन्होंने कहा, मैं पूरी ताकत से झंडा लहरा रहा था और चिल्ला रहा था। आखिरकार, हेलीकॉप्टर का साइड दरवाजा खुला, और किसी ने मुझे जवाब में हाथ हिलाया।

एपस्टीन मामले में प्रिंसेस डायना की एंट्री

मैक्सवेल का दावा- दोनों की लंदन में मुलाकात कराई गई

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के न्याय विभाग द्वारा शुक्रवार जेफ्री एपस्टीन मामले में कुछ टेप जारी किए गए। इन टेप में जेफ्री एपस्टीन की सहयोगी रही गिस्लेन मैक्सवेल के बयान हैं। एक बयान में मैक्सवेल ने संकेत दिए हैं कि ब्रिटेन की दिवंगत राजकुमारी डायना के साथ भी एपस्टीन की मुलाकात हुई थी। मैक्सवेल का दावा है कि दोनों की मुलाकात तय की गई थी। एपस्टीन पर यौन तस्करी और यौन शोषण के गंभीर आरोप हैं। मैक्सवेल, एपस्टीन की सहयोगी रही और यौन तस्करी में साथ देने के अपराध में उसे 20 साल की सजा सुनाई गई है। फिलहाल वह जेल में बंद हैं और वर्तमान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से क्षमादान की मांग कर रही है। पिछले महीने डिप्टी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने मैक्सवेल से पूछताछ की। इस पूछताछ के दौरान मैक्सवेल ने बताया कि एपस्टीन से मिलने से पहले, वह लंदन में रहती थी और वहां कुछ ऊंचे ओहदे वाले लोगों से उसकी जान-पहचान थी। इनमें राजकुमारी डायना की सबसे अच्छी दोस्त रोजा मॉन्कटन भी शामिल थी। मैक्सवेल ने बताया कि रोजा के पति डोमिनिक लॉसन एक प्रसिद्ध पत्रकार थे। लंदन में राजकुमारी डायना और एपस्टीन की मुलाकात आयोजित कराई गई थी मैक्सवेल ने बताया कि रोजा ने एक बार लंदन में एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया था, जिसमें जेफ्री एपस्टीन भी शामिल हुआ था। मैक्सवेल ने बताया, मुझे नहीं पता कि वह डायना के साथ बैठा था या डायना से मिला था। वह उनसे पहले भी मिल चुका था। मुझे नहीं पता, लेकिन मुझे लगता है कि दोनों की मुलाकात रोजा ने ही आयोजित की थी। मैक्सवेल ने कहा मैं डायना की बुराई नहीं करना चाहती।

युद्ध खत्म कराने में भूमिका निभाए भारत, यूक्रेनी राजदूत बोले- बातचीत के जरिये समस्याओं का निकले हल

मास्को , एजेंसी।
रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म कराने के लिए भारत और ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाए, क्योंकि यूक्रेन शांति वार्ता में भारत की भूमिका को महत्वपूर्ण मानता है। रूस का पुराना सहयोगी होने के चलते भारत यह कार्य कर सकता है। यह बात भारत में यूक्रेन के राजदूत ओलेक्जेंडर पोलिशचुक ने कही है। यूक्रेन के नेशनल फ्लैग डे पर साक्षात्कार में पोलिशचुक ने कहा कि भारत के साथ उनके देश की बातचीत 2023 से बढ़ी है। उस समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत तटस्थ नहीं है, भारत शांति के पक्ष में है और बातचीत के जरिये समस्याओं को सुलझाने का समर्थन करता है। भारतीय प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद यूक्रेन ने युद्ध खत्म कराने के लिए भारत की भूमिका को महत्वपूर्ण माना और अब शांति वार्ता में शामिल होने की उम्मीद कर रहा है। इस बीच युद्ध में शनिवार को यूक्रेन ने रूस की राजधानी मॉस्को पर ड्रोन हमले की कोशिश की। इसके चलते मॉस्को और उसके आसपास के शहरों का हवाई यातायात कई घंटे रुका रहा। रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने मॉस्को पहुंचने से पहले इन ड्रोन को मार गिराया। इस दौरान किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है। रूस के तेल आपूर्ति तंत्र पर गुरुवार रात यूक्रेन के हमले से हंगरी और स्लोवाकिया की तेल आपूर्ति कम से कम पांच दिनों के लिए ठप हो गई। यूक्रेनी ड्रोन हमले से रूस में भीषण आग लग गई है जिसे तेल आपूर्ति बंद करके नियंत्रित किया जा रहा है।

विदेश में गुपचुप दूसरी शादी रचाना पड़ा महंगा, भारतीय शख्स अब भुगत रहा जेल; कैसे खुली पोल

सिंगापुर, एजेंसी।
एक भारतीय शख्स को विदेश में गुपचुप शादी रचाना काफी महंगा पड़ गया। अब दो शादियां रचाने के आरोप में इस व्यक्ति को जेल की सजा हो गई है। आरोपी की पहचान 49 वर्षीय वैथियालिंगम मुथुकुमार के रूप में हुई है। इस व्यक्ति ने 15 साल पहले पहला विवाह रचाया था। गौरतलब है कि सिंगापुर में दो शादियां रचाना कानूनन अपराध है। मुथुकुमार को तीन महीने और तीन हफ्ते की जेल की सजा सुनाई गई है।

मुथुकुमार की पहली शादी साल 2007 में हुई थी। साल 2011 में सिंगापुर में उनका अपनी सहकर्मी के साथ अफेयर शुरू हो गया। हैरानी की बात यह है कि जिस महिला, सलमा बी अब्दुल रज्जाक के साथ मुथुकुमार का अफेयर था, उसे पता था कि वह शादीशुदा हैं। इसके बावजूद वह सिंगापुरी महिला मुथुकुमार के शादी रचाने के लिए तैयार हो गई। बताया जाता है मुथुकुमार ने उसके ऊपर शादी के लिए काफी दबाव डाला था। मुथुकुमार ने कहा था कि उसे एक बच्चा चाहिए। इतना ही नहीं, उसने सलमा से यह भी वादा किया था कि वह अपनी पहली पत्नी को तलाक दे देगा।

अगस्त 2022 में दोनों ने मुस्लिम रीति-रिवाज से शादी कर ली। एक भारतीय मुस्लिम धर्मगुरु ने दोनों की शादी रजिस्टर कराई। रिपोर्ट के मुताबिक शादी के बाद दोनों वापस सिंगापुर पहुंच गए। यहां पर मुथुकुमार अपनी पहली पत्नी के साथ ही रहता था। हालांकि बीच-बीच में समय निकालकर वह सलमा से मिलने जाया करता था। 14 सितंबर 2023 को सलमा ने एक बच्चे को जन्म दिया। इसी समय मुथुकुमार की पोल खुल गई। असल में मुथु की पहली पत्नी उसी अस्पताल में काम करती थी, जहां सलमा के बच्चे का जन्म हुआ था।

पीएम ओली की भारत और चीन यात्रा पर नजरें

काठमांडू, एजेंसी।
नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की आगामी भारत यात्रा पर लिपुलेक विवाद का सीधा असर पड़ने की संभावना कम दिख रही है। उच्चस्तरीय सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री ओली इस दौरे को सीमा विवाद सुलझाने के लिए कूटनीतिक प्रयास के अवसर के रूप में भी देख रहे हैं। प्रधानमंत्री ओली चीन और भारत की यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। इसी बीच नेपाल और भारत के बीच सीमा विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। नेपाल जिस लिपुलेक क्षेत्र को अपना अभिन्न अंग मानता है, वहां से भारत और चीन ने व्यापार शुरू करने का समझौता किया, जिसके बाद विवाद गहराया।

लगभग 13 महीने के अपने तीसरे कार्यकाल के बाद प्रधानमंत्री ओली को भारत जाने का निमंत्रण मिला है। हाल ही में नेपाल आए भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से ओली को भारत यात्रा का औपचारिक निमंत्रण सौंपा। ओली के सचिवालय के अनुसार प्रधानमंत्री ने भी इस निमंत्रण के लिए आभार प्रकट किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ओली 16 सितंबर को दो दिवसीय भारत यात्रा पर जाएंगे।हालांकि, भारत यात्रा से पहले प्रधानमंत्री ओली चीन जाएंगे। वह 30अगस्त को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में भाग लेने बीजिंग जाने वाले हैं। कुछ हलकों का मानना है कि सीमा विवाद की स्थिति में यात्रा करना उचित नहीं होगा, जबकि अन्य का विचार है कि विवाद सुलझाने के लिए इसी यात्रा को अवसर के रूप में लेना चाहिए। प्रधानमंत्री का सचिवालय इस विषय पर अब तक चुप है। सूत्रों के अनुसार, ओली ने प्रधानमंत्री मोदी को पहले काठमांडू आने का निमंत्रण दिया था, जिसे भारत ने स्वीकार नहीं किया। लेकिन, यदि ओली की भारत यात्रा सफल रहती है तो भविष्य में मोदी की नेपाल यात्रा की संभावना बढ़ सकती है। प्रेस चौतारी नेपाल, महोत्तरी द्वारा 5 अगस्त को आयोजित पत्रकार सम्मेलन में नेकपा (एमाले) के महासचिव शंकर पोखरेल ने कहा कि भले ही चीन और भारत ने हालिया समझौते में नेपाल को शामिल नहीं किया, फिर भी ओली की सद्भावना यात्रा प्रभावित नहीं होगी। उन्होंने कहा, हम हर समस्या का समाधान आपसी संवाद और चर्चा से चाहते हैं, और यह अवसर ऐसे दौरों से ही मिलता है। इसलिए नेपाल की ओर से यात्रा रद्द करने का सवाल ही नहीं उठता। पोखरेल ने यह भी कहा कि नेपाल ने पहले ही चीन और भारत दोनों को कूटनीतिक नोट भेजकर लिपुलेक प्रकरण पर असहमति जता दी है, अब इन दोनों मित्र देशों को तार्किक निष्कर्ष निकालना चाहिए।

फटेहाल पाकिस्तान में फैक्ट्रियों से ज्यादा हैं मस्जिद और मदरसे, रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में हाल ही में पहली बार आर्थिक जनगणना का आंकड़ा जारी हुआ है। इस रिपोर्ट ने सबको चौंका दिया है, क्योंकि पाकिस्तान में मस्जिदों और मदरसों की संख्या उद्योग-कारखानों से कहीं ज्यादा है। पाक के योजना मंत्री अहसान इकबाल ने यह रिपोर्ट जारी की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में करीब 6 लाख मस्जिदें हैं जबकि सिर्फ 23 हजार फैक्ट्रियां चल रही हैं। इतना ही नहीं, 36 हजार धार्मिक मदरसे भी दर्ज किए गए हैं जो फिर से उद्योग से ज्यादा है।

हालांकि, छोटे उत्पादन यूनिट की संख्या 6.43 लाख बताई गई है। यह आंकड़ा पाकिस्तान की जनगणना से इकट्ठा किया गया और 21 अगस्त को आधिकारिक तौर पर जारी किया गया। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब पाकिस्तान अपनी डूबती अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (ढ्रस्न्न) से 7 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज की दूसरी समीक्षा पर काम कर रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि मदरसों और मस्जिदों की सबसे ज्यादा संख्या पंजाब प्रांत में है।

डेटा के अनुसार, पाकिस्तान में 4 करोड़ स्थायी यूनिट मौजूद हैं। इनमें से 72 लाख रोजगार वाले ढांचे हैं, जहां साल 2023 तक 2.54 करोड़ लोग काम कर रहे थे। सबसे ज्यादा लोग सर्विस सेक्टर में काम कर रहे हैं।

ब्लड बैंक एवं प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में विशाल रक्तदान अभियान 2025 का आयोजन

रक्तदान को जीवन का नियमित हिस्सा बनाए मानवीय सेवा कार्य : अनिता चौधरी

सरायपाली। अग्रवाल पंचायत धर्मशाला में आयोजित आशीर्वाद ब्लड बैंक एवं प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में विशाल रक्तदान अभियान 2025 का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना, आपातकालीन स्थितियों में रक्त की कमी को दूर करना तथा समाज में सेवा, करुणा और मानवता की भावना को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद की टीम विशेष रूप से शामिल हुई। कार्यक्रम में समाजसेविका एवं विश्व मानवाधिकार आयोग की राष्ट्रीय सदस्य अनिता चौधरी, प्रखंड संयोजिका डॉ. नमिता साहू, नगर संयोजिका गौरी बग्गा, प्रखंड महामंत्री ,तेजराम बिसी, ग्राम पंचायत पंडरीपानी के सरपंच प्रवीण बरिहा, खुशीराम प्रधान, क्षेत्रमोहन प्रधान सहित अन्य टीम सदस्य उपस्थित रहे। अपने संबोधन में अनिता चौधरी ने कहा कि रक्तदान से पर्याप्त मात्रा में रक्त का संग्रह हो पाता है, जिससे आवश्यकता पड़ने पर जरूरतमंदों तक समय पर रक्त पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि रक्तदान को जीवन का नियमित हिस्सा बनाएं, क्योंकि यह सबसे बड़ा मानवीय सेवा कार्य है।

कार्यक्रम में श्रीकांति वर्गे, प्रीति जैन, भगवती अग्रवाल सहित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्थान की पूरी टीम सक्रिय रूप से उपस्थित रही और अभियान की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आयोजकों ने बताया कि रक्तदान एक ऐसा महादान है जो न केवल किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाता है, बल्कि समाज में भाईचारे, सहयोग और सेवा की भावना को भी प्रबल करता है। रक्तदान के लिए आए सभी स्वयंसेवकों ने पंजीकरण कर चिकित्सा दल की देखरेख में सुरक्षित तरीके से रक्तदान किया। चिकित्सा विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को नियमित रक्तदान के स्वास्थ्य लाभ, जैसे कि रक्त में आयरन संतुलन, हृदय रोगों की संभावना में कमी और नई रक्त कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया में वृद्धि के बारे में विस्तृत जानकारी दी। समापन अवसर पर उपस्थित अतिथियों और आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है और यह एक ऐसा कार्य है जो हमें न केवल दूसरों के जीवन में उम्मीद की किरण जगाने का अवसर देता है, बल्कि स्वयं के भीतर भी संतोष और गर्व की भावना भर देता है। इस तरह, विशाल रक्तदान अभियान 2025 न केवल चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने में सहायक सिद्ध हुआ, बल्कि सरायपाली में सामाजिक सेवा, मानवता और एकजुटता के नए आयाम भी स्थापित किए।

महिलाओं एवं बच्चों के विरूद्ध घटित अपराध में कोण्डागांव पुलिस द्वारा की जा रही है लगातार त्वरित व कड़ी कार्रवाई

कोण्डागांव। प्रार्थिया के पति की मृत्यु होने के बाद प्रार्थिया के रिस्तेदार प्रार्थिया के उपर बुरी नजर रखता है तथा बार-बार प्रार्थिया को मेरे साथ रहना बोलकर छेड़ता है। 14 जूलाई को प्रार्थिया घर में अकेली थी तब फागूराम मण्डावी प्रार्थिया के घर के अंदर घुसकर प्रार्थिया के साथ अश्लील हरकत कर जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाने के लिए प्रार्थिया के हाथ, शरीर व कपड़े को खींचतान कर रहा था। प्रार्थिया के द्वारा मना करने पर मारपीट कर जमीन में पटक दिया था और जब भी मौका मिलता है फागूराम प्रार्थिया के घर अंदर घुसकर प्रार्थिया के साथ छेड़छाड़ व जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाने के लिए प्रार्थिया के पूरे कपड़े को निकालने का प्रयास करता है तथा प्रार्थिया को बाहर निकलने नहीं देता है। मना करने पर तेरा पति तो मर गया है जमीन मेरे नाम पर है बोलकर घर से निकालने की धमकी देकर, मारपीट करता है। 23 अगस्त को सुबह करीबन 11.00 बजे जब प्रार्थिया के घर में फागूराम मंडावी दारू पीकर प्रार्थिया के रूम में घुसकर प्रार्थिया के साथ जबरदस्ती संबंध बनाने के लिए प्रार्थिया के हाथ, शरीर को खींच रहा था। कपड़े को निकालने का प्रयास कर रहा था। प्रार्थिया के द्वारा मना करने पर प्रार्थिया के साथ धक्का-मुक्की कर मारपीट किया है। कि प्रार्थिया के रिपोर्ट पर थाना फरसगांव में अपराध क्रमांक 109/2025 धारा 74, 75(1) (प) (पप), 76, 333 बीएनएस. कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव येदुवल्ली अक्षय कुमार के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल, के मार्गदर्शन में तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी फरसगांव अभिनव उपाध्याय के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी संजय सिंन्दे के नेतृत्व में विवेचना के दौरान आरोपी फागूराम मंडावी पिता स्व. बुधराम मंडावी उम्र 55 वर्ष निवासी सरगीपाल पारा आलोर को पूछताछ करने पर दिनांक घटना को जुर्म कारित करना स्वीकार करने पर 24 अगस्त को विधिवत गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

बहेसर में सरस्वती साइकिल योजना के तहत 29 छात्राओं को मिली साइकिल

तिल्दा नेवरा। सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को प्रोत्साहन एवं शिक्षा के प्रति जागरूक बनाने हेतु हायर सेकंडरी स्कूल बहेसर में साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस योजना के अंतर्गत कुल 29 छात्र-छात्राओं को निःशुल्क साइकिल प्रदान की गई। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं शिक्षकों ने बताया कि सरकार की यह योजना विशेष रूप से ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए बहुत लाभकारी है। साइकिल मिलने से विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी तथा समय की बचत भी होगी। कई छात्र-छात्राएं दूरस्थ के गांव से पैदल विद्यालय आते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती थी। अब साइकिल मिलने से वे नियमित समय पर विद्यालय पहुँच सकेंगे और पढ़ाई पर अधिक ध्यान दे पाएंगे। साइकिल प्राप्त करने वाले बच्चों के चेहरों पर उत्साह और खुशी साफ झलक रही थी। और शिक्षकों ने कहा कि इस तरह की योजनाएँ विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति रुचि और प्रेरणा बढ़ाने में सहायक होती हैं। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत बहेसर सरपंच सविता सेवक बर्मन, कला चौहान, शाला प्रबंधन एंव विकास समिति के अध्यक्ष संतोष धीरज,नीरा चौहान, और शिक्षक मोहितराम साहू, व्यख्याता उदल यादव, खलिकअमजद, केशरीलाल साहू, हेमा शर्मा, नीलिमा मिंज एवं अमितोष धीरज, मीडिया प्रभारी सौरभ यादव और बड़ी संख्या में छात्रा छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं और उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। इस प्रकार, सरस्वती सायकल योजना ने शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक माहौल बनाया है और यह प्रयास न केवल विद्यार्थियों बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणादायक साबित हो रहा है।

निजी स्कूलों द्वारा मनमानी फीस वसूली के संबंध में कोंडागांव कांग्रेस कमेटी ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

कोण्डागांव। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा कोंडागांव कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन अपर कलेक्टर चित्रकान्त चार्ली ठाकुर को सौंपा गया जिसमे निजी स्कूलों द्वारा ली जा रही मनमानी तरिके से फीस के संबंध मे उल्लेख किया गया है साथ ही सरस्वती शिशु मंदिर कोंडागांव द्वारा एक बच्ची के एडमिशन के नाम पर 6500 रुपए वार्षिक शुल्क सहित लिया गया परन्तु पालक उस बच्ची को अन्य स्कुल मे दाखिला कराया जिसके बाद फीस की राशि को वापस मांगने पर संस्था के प्राचार्य योगेश वर्मा ने वापस देने से मना कर दिया जो की सरासर गलत है ज़ब दाखिला ही नहीं हुआ है तो फीस लेने का कोई अधिकार नहीं है अगर एंट्री फीस ले भी लेते हैं तो कम से कम 5000 रुपए पालक को वापस करना चाहिए साथ ही कोंडागांव जिला कांग्रेस कमेटी मांग करती है की कोंडागांव जिले मे संचालित समस्त निजी स्कूलों की अवैध व मनमानी तरिके से वसुली की जा रही फीस के संबंध मे जाँच करते हुए उचित कार्यवाही की जाये। कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधि मंडल जल्द ही निजी विद्यालयों मे पहुंच ऐसे स्कूलों का भंडाफोड़ करेगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान कोंडागांव जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष झूमूकलाल दीवान, जिला कांग्रेस प्रभारी महामंत्री रितेश पटेल, जिला उपाध्यक्ष तरुण गोलछा, प्रदेश कांग्रेस सचिव सकुर खान, जिला सचिव उमर मेमन,युकां नेता सनी चोपड़ा मौजूद रहें।

माकड़ी में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव कार्यक्रम में सम्मिलित हुई विधायक लता उसेण्डी

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव पूरे हर्षोल्लास के साथ आज माकड़ी के मंडी प्रांगण में मनाया गया। इस महोत्सव में सर्वप्रथम मशाल जलाकर भारत माता की जय जयकार करते हुए रैली निकाली गई। कार्यक्रम में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधायक लता उसेण्डी मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुई। विधायक उसेण्डी ने प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों के कलाकृतियों को देखा और उनकी सराहना की। इस अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता डांस प्रतियोगिता सहित विभिन्न गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को एवं विजेता को सम्मानित किया गया।

बीटीओए का शपथ ग्रहण संपन्न, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष देव रहे मुख्य अतिथि

किरंदुल। दक्षिण बस्तर में ट्रक मालिकों की सबसे बड़ी और आर्थिक रूप से काफी मजबूत मानी जाने वाली संस्था बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन का एक वर्षीय चुनाव 13 अगस्त को संपन्न हुआ था।जिसमें 911 सदस्य मतदाताओं ने बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन के 7 पदाधिकारियों का चयन मतदान प्रणाली से नवनियुक्त गठित चुनाव संचालन समिति के दिशा निर्देश पर किया था। बैलाडीला ट्रक ओनर्स के नवनिर्वाचित पदाधिकारियो के 24 अगस्त को हुए शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेशाध्यक्ष और जगदलपुर के विधायक किरण सिंह देव रहे ।

साथ ही कार्यक्रम के अध्यक्ष दंतेवाड़ा विधायक चेतराम अट्टामी एवं विशिष्ट आतिथ्य के रूप में दंतेवाड़ा जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुडामी, किरंदुल पालिकाध्यक्ष रूबी सिंह, बचेली पालिकाध्यक्ष राजू जायसवाल, एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के अधिशासी निदेशक रबिन्द्र नारायण, परियोजना कार्मिक के एल नागवेणी, कमला विनय नाग, आर्सेलर मित्तल कंपनी के रामचंद्रा, कोडेनार पंचायत सरपंच मीना मंडावी, एनएमडीसी बचेली परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक श्रीधर कोडाली एवं भाजपा जिला अध्यक्ष दंतेवाड़ा संतोष गुप्ता और कांग्रेस जिला अध्यक्ष दंतेवाड़ा अवधेश गौतम, भाजपा मंडल किरंदुल प्रभारी सत्यजीत चौहान रहे मौजूद । मंच संचालन राकेश सिंह गौतम, रविंद्र सोनी और आर सी नाहक ने संयुक्त रूप से किया।

वन्य प्राणी शिकारियों पर वन विभाग कार्यवाही चीतल मांस सहित दो आरोपी गिरफ्तार, 1 फरार

बलौदाबाजार। वनमण्डलाधिकारी गणवीर धम्मशील के मार्गदर्शन में परिक्षेत्र अधिकारी अर्जुनी रूपेन्द्र कुमार साहू और उनकी टीम ने अवैध शिकार करते हुए दो अपराधियों को पकड़ा है। एक आरोपी फरार है जिसकी पतासाजी की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को सराईपाली परिसर रक्षी पूनमचन्द फेकर को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कक्ष क्रमांक 341, अर्जुनी से सराईपाली मार्ग (झाला ढोड़गी के पास) पर दो व्यक्ति मोटरसायकल से अवैध शिकार का मांस लेकर आ रहे हैं। सूचना पर गांजरडीह परिसर प्रभारी भरतलाल साहू, सुरक्षा श्रमिकों एवं टीम द्वारा तत्काल घेराबंदी कर कार्रवाई की गई।जांच में दो व्यक्तियों भूषण प्रसाद पिता रंजीत कोड़ाकू एवं कोमलसाय पिता कार्तिक कोड़ाकू, निवासी ग्राम बिलाड़ी, के पास से 23.620 किलोग्राम ताजा चीतल का मांस, एक मोटरसायकल एवं दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। पूछताछ में अभियुक्तों ने उक्त मांस ग्राम अर्जुनी निवासी अनिल पिता चमारसिंग बरिहा से लेना बताया जो वर्तमान में फरार है। प्रकरण में आरोपियों के विरुद्ध वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 एवं वन्यजीव (संरक्षण) संशोधन अधिनियम 2022 की धारा 9, 39, 44, 48(क), 50 एवं 51 के तहत अपराध कायम कर पी.ओ.आर. नं. 15670/17 24 अगस्त दर्ज किया गया। दोनों आरोपियों को न्यायालय कसडोल में प्रस्तुत कर बलौदाबाजार जेल दाखिल कराया गया। फरार आरोपी अनिल पिता चमारसिंग बरिहा सहित अन्य संभावित आरोपियों की पतासाजी की जा रही है। कार्रवाई के दौरान प्रशिक्षु वन परिक्षेत्र अधिकारी डब्बू साहू, प्रशिक्षु वन परिक्षेत्र अधिकारी रूपेश्वरी दीवान, प्रशिक्षु वन परिक्षेत्र अधिकारी मीनाक्षी साहू, वनपाल भरतलाल साहू, परिसर रक्षी पूनमचन्द फेकर, वनरक्षक प्रवीण कुमार आडिले, वनरक्षक दिनेश कर्ष मौजूद थे।

विधायक और कलेक्टर ने कन्या महाविद्यालय का किया निरीक्षण'

कोंडागांव। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेंडी की अध्यक्षता में शासकीय कन्या आदर्श आवासीय महाविद्यालय में जनभागीदारी समिति के गठन के संबंध में बैठक संपन्न हुई। विधायक लता उसेंडी और कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने जनभागीदारी समिति की बैठक में शैक्षणिक गतिविधियों, स्टाफ की उपलब्धता और अन्य आवश्यक व्यवस्था की एवं कमियों की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान विधायक और कलेक्टर ने महाविद्यालय की अव्यवस्था पर नाराज़गी जताते हुए व्यवस्थादुरुस्त करने हेतु प्राचार्य को निर्देशित किया। विधायक उसेंडी ने प्राचार्य को बेहतर ढंग से महाविद्यालय के संचालन के निर्देश दिए। साथ ही परिसर को स्वच्छ और सुन्दर बनाने के निर्देश देते हुए वृक्षारोपण के भी निर्देश दिए। बैठक में महाविद्यालय और छात्रावास की व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए प्राचार्य को छात्रावास में साफ सफाई हेतु सफाई कर्मी की व्यवस्था करने, पानी सप्लाई की समस्या दूर करने के निर्देश दिए। साथ ही छात्रावास में स्वास्थ्य परीक्षण के लिए टीम भेजने और एनीमिया जांच के निर्देश दिए। बैठक में छात्राओं के लिए पढ़ाई पूर्ण होने के बाद रोज़गार उपलब्ध कराने हेतु प्लेसमेंट कैंप आयोजित करने हेतु भी निर्देशित किया। कंप्यूटर लैब का निरीक्षण कर छात्राओं के कंप्यूटर ज्ञान का परीक्षण किया। इस दौरान कंप्यूटर शिक्षक को निर्देशित किया कि छात्राओं को अच्छे ढंग से कम्प्यूटर सिखाएं।

तीजा में बदलते हालात : मायके की यादें अब ससुराल में ही पूजन-व्रत

बलौदाबाजार। तीजा पर्व आते ही विवाहित बेटियों का मन मायके की चौखट खटखटाने को आतुर हो उठता है। बचपन से ही मायके में तीजा की तैयारियाँ, माँ की स्नेहिल झप्पी और बहनों के संग गीत-मंगल की स्मृतियाँ हर महिला के दिल को छू जाती हैं। किन्तु इस बार हालात कुछ और ही कहानी कह रहे हैं। अब जब बच्चे बड़े होकर परीक्षा की तैयारी में जुटे हैं, छोटा परिवार होने से दुकान या रोज़मर्रा के काम सँभालने वाला कोई नहीं है। ऐसे में मायके जाकर तीजा मनाना संभव नहीं हो पा रहा। महिलाएँ स्वीकार करती हैं कि मन तो आज भी मायके की गलियों में भटकता है, परंतु जिम्मेदारियों के आगे भावनाएँ ठहर जाती हैं। यही कारण है कि वे अब ससुराल में ही तीजा का व्रत और पूजन विधिवत कर रही हैं। फिर भी, ससुराल का आँगन तीजा के गीतों और परंपरागत रस्मों से गुंजायमान हो उठा है। महिलाएँ मायके की यादों को अपने हृदय में सँजोए हुए, ससुराल के परिवार के संग मिलकर तीजा पर्व को उल्लास और श्रद्धा से मना रही हैं। यह परिवर्तन समाज की बदलती जीवनशैली और जिम्मेदारियों की गवाही देता है, जहाँ परंपरा और आधुनिक परिस्थितियाँ साथ-साथ चल रही हैं। तीजा पर्व का महिलाओं के जीवन में विशेष महत्व होता है। प्रायः महिलाएँ इस दिन अपने मायके जाकर तीजा मनाना पसंद करती हैं, लेकिन बदलते हालातों और परिस्थितियों ने अब इस परंपरा में भी परिवर्तन ला दिया है। मायके जाने की आतुर लता साहू ने बताया मैं मायके जाने के लिए आतुर हूं परंतु परिस्थितियों अब बदल गई बच्चों की पढ़ाई व एवं तिमाही टेस्ट परीक्षा छोटे परिवार होने से दुकान या अन्य कार्य पर बैठने वाला कोई नहीं होने जैसी व्यावहारिक वजहों से मैं अपने ससुराल में ही तीजा मना रही हूं। जिम्मेदारियां के बीच बदल गई तीजा की परंपरा सुमन श्रद्धानंद अग्रवाल ने बताया पहले हर साल में मायके जाती थी परंतु परिस्थितियों बदल गई बच्चे बड़े हो गए हैं जवाबदारी बढ़ गई अब ससुराल में ही रहकर तीज का पर्व में बनाती हूं। संजय श्वेता केसरवानी ने बताया ने बताया कि तीजा में मायके जाने की परंपरा बरसों से चली आ रही है, परंतु अब जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ जाने से मायके जाना संभव नहीं हो पा रहा। वहीं बच्चों की पढ़ाई और व्यापारिक कार्यों की देखरेख भी प्राथमिकता बन गई है।

अजय संगीता श्रीवास ने बताया विवाह के कुछ साल तक लगातार में मायके जाते रही हूं परंतु पारिवारिक जिम्मेदारी एवं बच्चों की पढ़ाई के कारण अब मायके जाना नहीं हो पता है ससुराल में रहकर पूरे उत्साह व परंपरा के साथ तीजा का व्रत कर रही हूं और परिवार के बीच इस त्योहार की खुशियाँ बाँट रही हूं। फिर भी, ससुराल का आँगन तीजा के गीतों और परंपरागत रस्मों से गुंजायमान हो उठा है। महिलाएँ मायके की यादों को अपने हृदय में संजोए हुए, ससुराल के परिवार के संग मिलकर तीजा पर्व को उल्लास और श्रद्धा से मना रही हैं।

घटना के चंद घण्टे में ही आरोपी को किया गया गिरफ्तार

कोण्डागांव। 24 अगस्त को प्रार्थिया श्रीमति राधाबाई कोर्राम पति मंगिया राम कोर्राम उम्र 35 वर्ष निवासी मड़ानार मुण्डापारा जिला कोण्डागांव ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि इसकी सास सुकलदई कोर्राम पति स्व. गोन्डू राम कोर्राम उम्र 65 वर्ष निवासी मड़ानार मुण्डापारा जिला कोण्डागांव को गांव का रहने वाला नरसू राम कोर्राम ने देव भूत करने के शक में हाथ मुक्का, लात से मारकर चोट पहुंचा कर एवं साड़ी से गला घोटकर हत्या कर दिया गया है कि रिपोर्ट बाद मामले के गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक वाय. अक्षय कुमार भा.पु.से. के निर्देशन में अति. पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल के मार्गदर्शन एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कोण्डागांव रूपेश कुमार के पर्यवेक्षण में तत्काल थाना कोण्डागांव से टीम तैयार कर विवेचना एवं आरोपी पता साजी हेतु ग्राम मड़ानार पटेलपारा घटना स्थल पहुंचे। घटना स्थल पहुंचकर आरोपी को पता साजी कर अभिरक्षा में लेकर पूछताछ किये जो आरोपी ने बताया कि वह पिछले 04-05 साल से उसके पैर में घाव है जो ठीक नही हो रहा है एवं काफी परेशान है एवं उनको शक था कि मृतिका बुजुर्ग महिला के द्वारा देव भूत करने के कारण वह ठीक नही हो रहा है। जिसके कारण वह मृतिका के उपर बहुत घुस्सा रहता था। एवं बीच बीच में इस बात को लेकर लड़ई झगड़ा भी होता था। 24 अगस्त को मृतिका बुजुर्ग महिला को अकेला पाकर आरोपी ने आज तुम्हे जान से मार दूंगा कहकर हाथ मुक्का लात से मारा एवं साड़ी से गला घोटकर हत्या कर दिया। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना कोण्डागांव में अपराध क्रमांक 286/2025 धारा 103(1) बीएनएस. के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया एवं आरोपी नरसू राम कोर्राम के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य सबूत पाये जाने एवं अपराध कारित करना स्वीकार करने से गिरफ्तार कर आज दिनांक 25.08.2025 को माननीय न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

भगवान गणेश को चढ़ाएं ये चीजें, दूर होंगी सभी विघ्न-बाधाएं

गणपति बप्पा मोरया अब हर जगह पर आपको यही आवाज सुनाई देगी। 27 अगस्त से गणपति का आगमन हो रहा है, जिसकी तैयारियां पूरी हो गई हैं। किसी ने मंदिर को सजाना शुरू कर दिया है, तो किसी ने अपने घर में गणपति को रखने के लिए जगह सजनी शुरू कर दी है। लेकिन आपको गणपति लाने से पहले कई सारी चीजें हैं, जिनका खास ध्यान रखना जरूरी होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे आपका पूजन संपन्न होता है। साथ ही, आपकी सारी मनोकामना पूरी होती है। चलिए आपको बताते हैं कौन सी बातें हैं, जिन्हें जानना जरूरी होता है।

गणेश जी को चढ़ाएं ध्रूवा की माला
गणेश जी को ध्रूवा बेहद प्रिय होती है। इसलिए कई सारे लोग गणेश पूजन के समय इसे गणपति जी को जरूर चढ़ाते हैं। लेकिन गणेश उत्सव के समय अगर आप 51 ध्रूवा की माला चढ़ाएंगी, तो इससे आपकी मनोकामना जल्दी पूरी होगी। लेकिन यह आपको तब तक चढ़ानी है, जब तक आपके घर में गणपति विराजमान हैं। इससे आपके घर में पॉजिटिविटी बनी रहेगी। साथ ही, आपकी सारी इच्छा पूरी हो जाएगी।

गणेश जी को चढ़ाएं सिंदूर

हम सभी को यह तो पता है कि हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाया जाता है। लेकिन यह वही लोग चढ़ाते हैं, जिनकी मांगी हुई इच्छा पूरी होती है। आप इसी सिंदूर को गणपति को चढ़ाएं। इससे भी आपकी इच्छा पूरी होगी। इस सिंदूर को आप अपने घर में रखे गणपति पर चढ़ाएं। इसके बाद रोजाना इसका टिका लगाएं। इससे आपके सारे काम बन जाएंगे।

इन मत्रों का करें जाप

गणेश पूजन के समय घर में सुबह और शाम पूजा होती है। इस पूजा में आरती की जाती है। लेकिन अगर आपको भगवान गणेश को प्रसन्न करना है, तो इसके लिए आप एक मंत्र का जाप जरूर करना चाहिए। गणेश पूजा मंत्र- ॥ ऊँ गं गणपतये नमः ॥ इस मंत्र का जप करें। आप चाहें तो इसे किसी पेपर पर भी लिख सकती हैं। इससे आपके सारे काम बनने शुरू हो जाएंगे। इस मंत्र को आपको रोजाना चेंट करना है।
भगवान गणेश को प्रसन्न करने के लिए इन उपायों को करें। इससे आपकी सारी बाधाएँ दूर हो जाएगी और सफलता प्राप्त होगी। इस दिन की गई आराधना से बुद्धि, विवेक में वृद्धि होती है, जिससे मानसिक शांति और सफलता की प्राप्ति होती है। इसलिए आपको यह उपाय जरूर करना चाहिए। पंडित जी के बताए गए इन उपायों को करने से आपके सारे काम बन जाएंगे। साथ ही, आपकी इच्छाएं पूरी होंगी।

गणेश चतुर्थी कब है शुभ तिथि, योग, मुहूर्त और पूजा का महत्व

सनातन धर्म में गणेश चतुर्थी का पर्व बेहद सौभाग्यशाली माना जाता है। इस दौरान भक्त गणपति बप्पा की प्रतिमा अपने घर में स्थापित करते हैं। आइए जानते हैं कि इस साल गणेश चतुर्थी कब मनाया जाएगा।

हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। इस दौरान बप्पा की पूजा-अर्चना विधिवत रूप से करने का विधान है। भगवान गणेश को बुद्धि, समृद्धि और सौभाग्य का कारक माना जाता है। बप्पा सभी देवी-देवताओं में सबसे पहले पूजे जाने वाले देवता है। इनकी पूजा करने के बाद ही देवी-देवता की पूजा करने का मान्यता है। आपको बता दें, वैसे तो हर महीने चतुर्थी तिथि के दिन भगवान गणेश की पूजा करने का विधान है। लेकिन भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली चतुर्थी तिथि को बेहद खास माना जाता है। वहीं अनंत चतुर्थी के दिन बप्पा को विदा करते हैं। अब ऐसे में इस साल गणेश चतुर्थी कब से आरंभ हो रहा है। पूजा का शुभ मुहूर्त कब है। इस पर्व का महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य से विस्तार से जानते हैं।

गणेश चतुर्थी के दिन पूजा का महत्व क्या है?

भगवान गणेश को विघ्नहर्ता कहा जाता है। माना जाता है कि उनकी पूजा करने से सभी प्रकार के विघ्न दूर होते हैं और कार्य में सफलता मिलती है। गणेश चतुर्थी को नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस दिन नए काम की शुरुआत करना शुभ माना जाता है। भगवान गणेश को ज्ञान और

बुद्धि का देवता भी माना जाता है। उनकी पूजा करने से बुद्धि में वृद्धि होती है और ज्ञान प्राप्त होता है। गणेश जी की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि आती है। गणेश जी की पूजा से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

गणेश चतुर्थी कब है?

पंचांग की गणना के अनुसार गणेश चतुर्थी तिथि का आरंभ 26 अगस्त को दोपहर में 1 बजकर 55 मिनट पर होगा और 27 अगस्त को 3 बजकर 45 मिनट तक चतुर्थी तिथि रहेगी। ऐसे में गणेश चतुर्थी का पर्व 27 अगस्त से शुरू होगा। हालांकि, जो लोग गणेश चतुर्थी का व्रत करना चाहते हैं तो उन्हें 26 अगस्त को व्रत रखना चाहिए। क्योंकि, चतुर्थी का व्रत में चंद्रमा की पूजा की जाती है। ऐसे में 26 अगस्त को रात के समय चतुर्थी तिथि रहेगी इसलिए व्रत 26 अगस्त को किया जाएगा। हालांकि, गणेशजी की स्थापना 27 अगस्त को करना ही शुभ रहेगा। क्योंकि, गणेश पुराण के अनुसार गणेशजी का जन्म दोपहर के समय हुआ था और 27 तारीख को उदय तिथि में गणेश चतुर्थी दोपहर तक रहने वाली है इसलिए गणेश जी की स्थापना 27 अगस्त को की जाएगी। बता दें कि गणेश चतुर्थी का पर्व 27 अगस्त से 6 सितंबर अनंत चतुर्दशी तिथि के दिन तक रहेगा।

घर में कितने दिनों तक रखनी चाहिए बप्पा की मूर्ति?

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, इस साल गणेशोत्सव की शुरुआत 27 अगस्त से हो रही है। इस दौरान लगभग सभी अपने घरो में गणपति को स्थापित कर उनकी पूजा करते हैं। गणेश जी को वैसे तो घर में पूरे 10 दिनों तक रखने का विधान है। आखिरी दिन नदी,कुंड या तालाबों में विसर्जित कर दिया जाता है, लेकिन श्रद्धा, भक्ति और क्षमता के अनुसार लोग 1, 3, 5 या 7 दिनों तक भी घर में गणपति जी को रखकर उनकी विदाई कर सकते हैं। हालांकि, अधिकांश भक्त अनुष्ठान पूजा के बाद अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन कर बप्पा की विदाई करते हैं।

कैसे करें गणपति की स्थापना और पूजा

- प्रात:काल स्नान के बाद सबसे पहले व्रत और पूजा का संकल्प लें।
- घर के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) में एक चौकी पर पीला कपड़ा बिछाएं।
- गणेश जी की मूर्ति को स्थापित करें, उन पर गंगाजल छिड़कें और उनका अभिषेक करें।
- गणपति को सिंदूर, दूर्वा (21 पत्तियाँ), लाल फूल, मोदक, लड्डू, नारियल, गन्ना, फल और नैवेद्य अर्पित करें।
- गणेश चालीसा, अथर्वशीर्ष या फिर गणपति स्तोत्र का पाठ करें।
- पूजा के अंत में घंटा, शंख और मंजीरे के साथ गणेश जी की आरती करें।
- यह पूजा प्रक्रिया सायंकाल के समय भी दोहराई जाती है, ताकि दिन भर गणेशजी की उपासना बनी रहे। पूजा के बाद किसी ब्राह्मण को भोजन और दान देकर फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें।

गणेश चतुर्थी मनाने की क्या है परंपरा, जानें इतिहास और महत्व

सनातन धर्म में गणेश चतुर्थी का पर्व बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यह पर्व देशभर में विधिवत रूप से मनाई जाती है। लेकिन महाराष्ट्र में इसकी धूम विशेष रूप से देखने को मिलती है। बप्पा के आगमन के लिए पहले से ही तैयारियां आरंभ हो जाती है। विभिन्न प्रकार के थीम के पंडाल तैयार किए जाते हैं। बप्पा की बड़ी-बड़ी मूर्तियां तैयार किए जाते हैं।

भगवान गणेश के जन्मोत्सव के रूप 10 दिनों तक उत्सव धूमधाम के सात मनाया जाता है। वहीं अनंत चतुर्दशी के दिन बप्पा का विसर्जन कर दिया जाता है। आपको बता दें, इस साल गणेश चतुर्थी, 27 अगस्त को विधि-विधान के साथ मनाई जाएगी। अब ऐसे में गणेश चतुर्थी मनाने की परंपरा क्या है। इस पर्व का इतिहास क्या है।।

कैसे शुरू हुई गणेशोत्सव की शुरुआत?

गणेशोत्सव की शुरुआत महाराष्ट्र की राजधानी पुणे से हुई। ऐसा कहा जाता है कि इसका इतिहास मराठा साम्राज्य के सम्राट छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़ा हुआ है। ऐसी मान्यता है कि भारत में मुगलों के शासन के दौरान अपनी सनातन संस्कृति को बचाने के लिए छत्रपति शिवाजी ने अपनी माता जीजीबाई के साथ गणेश महोत्सव की शुरुआत की थी।

वहीं इस महोत्सव की शुरुआत करने के बाद मराठा साम्राज्य के और पेशवा भी गणेश महोत्सव को मनाने लगे। गणेश चतुर्थी के दौरान मराठा पेशवा ब्राह्मणों को भोजन कराते थे। साथ ही दान-पुण्य भी विशेष रूप से करते थे। वहीं पेशवा के बाद ब्रिटिश हुकूमत भारत में हिंदूओं के सभी त्योहारों पर रोक लगा दी थी, लेकिन बाल गंगाधर तिलक ने गणेश चतुर्थी के महोत्सव को दोबारा मनाने की शुरुआत की थी। इसके बाद 1892 में भाऊ साहब जावले के द्वारा पहली भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई।

गणेश चतुर्थी क्यों मनाई जाती है?

गणेश चतुर्थी बप्पा के जन्मोत्सव के रूप में मनाई जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान गणेश का जन्म भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को हुआ था। वहीं गणेशोत्सव के दौरान बप्पा 10 दिनों तक सभी के घरों में विराजते हैं और उनकी विधिवत पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसा कहा जाता है कि किसी भी नए काम की शुरुआत से पहले बप्पा की पूजा विधिवत रूप से करने की परंपरा है। इन्हें विघ्नहर्ता भी कहा जाता है।

गणेश चतुर्थी पर्व का महत्व क्या है?

भगवान गणेश को सौभाग्य, समृद्धि और ज्ञान का देवता कहा जाता है। कहते हैं कि बप्पा की पूजा विधिवत रूप से करने से व्यक्ति के जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो जाती है। साथ ही जीवन में सुख-सौभाग्य और संपन्नता का भी आगमन होता है।

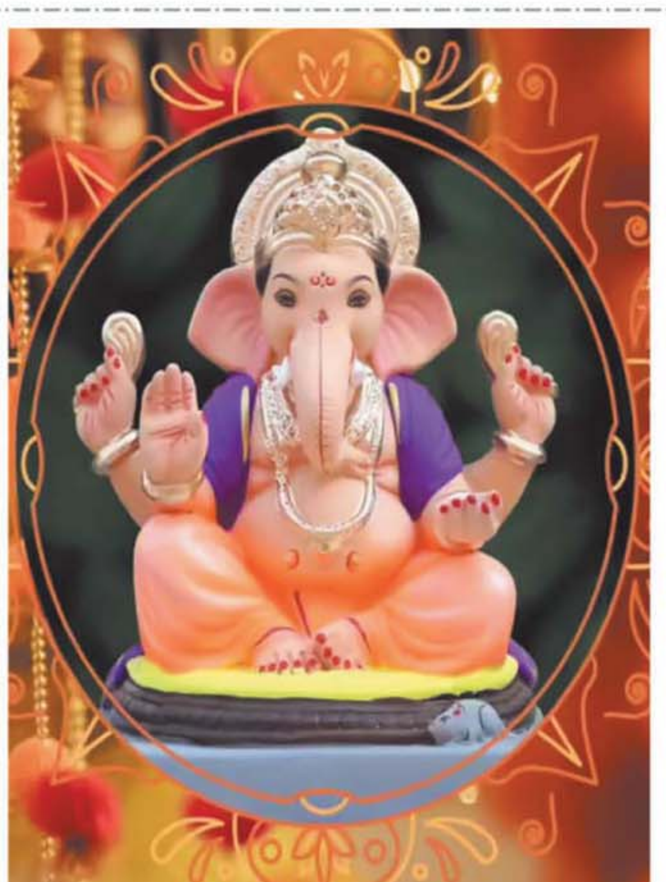

गणपति बप्पा की पूजा करने से मिलते हैं ये लाभ, पूरी होती है सारी मनोकामना

हमारे देश में आजकल पूजा-पाठ भी सुविधा के अनुकूल हो गई है। पहले आराधना का अर्थ सर्वोच्च शक्ति को याद करते हुए मंत्रों और अनुष्ठानों में पूरे दिल और आत्मा से लगना होता था। लेकिन समय के साथ जैसे-जैसे तकनीकी छलांग बढ़ती जा रही है, देवताओं की पूजा की पूरी अवधारणा में व्यापक बदलाव आया है। आज लोगों को दूसरों से बात करते, टीवी देखते और यहां तक कि खाते या पीते हुए भी अपने देवता के नाम का जाप करते देखा जा सकता है। यह सब आज लोगों की पूजा का तरीका है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जिस तरह से आप अपने भगवान की पूजा करती हैं, उसके क्या मायने है? जी हां, यह वास्तव में मायने रखता है और अगर आप इसे सही तरीके से करते हैं तो आप अपना समय बर्बाद करने की बजाय कुछ मंत्रों का उच्चारण करके बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं।

बुद्धि- भगवान गणेश का हाथी वाला सिर ज्ञान का प्रतीक है। इसलिए अगर आप गणेश की पूजा करती हैं तो आप जानबूझकर या अवचेतन रूप से ज्ञान प्राप्त कर सकती हैं। अगर आपने भगवान गणेश को अपने सर्वोच्च देवता के रूप में पूजा करने के लिए चुना है तो इसका मतलब है कि आपको उनकी शक्तियों में से एक के रूप में ज्ञान पसंद है। इस प्रकार रोजाना भगवान गणेश की पूजा करना जीवन की आपकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं की याद दिलाता है और आप ज्ञान प्राप्त करने के लिए इसका पीछा करते हैं।

सौभाग्य - ऐसा माना जाता है कि भगवान गणेश सौभाग्य और धन के देवता हैं। अगर आप उनकी भक्त बन जाती हैं और भाग्य को प्राप्त करने के लिए अपने दिल से काम करती हैं तो आप खाली हाथ नहीं लौटेंगी। आप समर्पण की एक उन्नत अवस्था प्राप्त करेंगी और अपने जीवन में धन और शक्ति की प्रचुरता की ओर आसानी से काम करेंगी। आपको बस अपने वास्तविक जीवन में उनके पाठों का पालन करना है।
अगर आप अक्सर अपना आपा खो देती हैं तो धैर्य क्रोध को नियंत्रित करने की कुंजी है। भगवान गणेश के बड़े कान इस बात का प्रतीक हैं कि वह एक अच्छे श्रोता हैं और अगर आप खुद को उनके प्रति समर्पित करती हैं और अपने आंतरिक शक्ति पर ध्यान केंद्रित करती हैं तो आपमें धीरे-धीरे समान स्तर का धैर्य विकसित होता है। यह निश्चित रूप से आपको एक बेहतर इंसान बनने में मदद करेगा।

समृद्धि - हर कोई एक समृद्ध और हेल्दी जीवन का सपना देखता है और यह बहुत हद तक आपके द्वारा चुनी गई जीवनशैली पर निर्भर करता है। जब आपने भगवान गणेश को अपना देवता चुना और उन्हें अपनी पूजा अर्पित की, तो आप उत्साहपूर्वक सफलता प्राप्त करने की दिशा में काम करती हैं। आप खुद को दृढ़निश्चयी और आसानी से तैयार पाएंगी जो आपको आपकी भलाई की ओर ले जाएगा।

आपकी आत्मा शुद्ध होगी - भगवान गणेश में ध्यान और विश्वास करने से आप अपने आचरण में अंतर को नोटिस और शांति की भावना का अनुभव कर सकती हैं। ऐसा कहा जाता है कि जो कोई भी अपना जीवन उसके प्रति समर्पित करता है वह आत्मा को शुद्ध कर देते हैं क्योंकि आप अच्छे कार्यों पर ध्यान केंद्रित और अपने जीवन में नकारात्मकता को दूर करती है जिससे आपकी आत्मा शुद्ध होती है।

ज्ञानी बनेंगे हैं आप - भगवान गणेश सभी देवताओं में सबसे बड़े ज्ञानी माने जाते हैं। यह उनके सबसे मजबूत गुणों में से एक है। जब आप उसे आत्मज्ञान के एकमात्र मकसद से पूजती हैं तो आप खुद को रूपांतरित होते देखेंगी। निरंतर अभ्यास और दृढ़ प्रयास के साथ आप एक-एक करके ज्ञान की सीढ़ियों पर चढ़ेंगी और ज्ञान की शक्ति देखेंगी।

सभी बाधाएं होती हैं दूर - गणेश जी को विघ्नहर्ता माना जाता है। जब आप पूरे विश्वास के साथ भगवान गणेश की पूजा करते हैं तो वह आपका मार्गदर्शन करते हैं और आपको सभी चीजों से लड़ने का साहस प्रदान करते हैं। आप अपने डर पर विजय पाकर अपने जीवन की सभी बाधाओं को दूर कर सकती हैं। आप अपने अंदर छिपे गुणों को अनलॉक करती हैं और किसी भी मुश्किल स्थिति को आसानी से पार कर लेती हैं।

कुथरेल ग्राम पंचायत की शासकीय भूमि पर अतिक्रमण, शिकायत लेकर ग्रामीण पहुंचे जनदर्शन, जनदर्शन में 70 आवेदन प्राप्त हुए

सेवानिवृत्त पश्चात पेंशन निर्धारण व देय राशि का भुगतान करने जनदर्शन में लगाई गुहार

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव एवं डिप्टी कलेक्टर हितेश पिस्दा ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 70 आवेदन प्राप्त हुए। ग्राम विनायकपुर के ग्रामीणों ने वार्ड-17 शीतला पारा में शासकीय भवन के पास नए बोर खनन की मांग की। उन्होंने बताया कि भवन में धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रम होते हैं। भवन के पास हैंडपंप लगा है, किंतु पानी की भारी कमी है। मोटर पंप भी लगाया गया, फिर भी पानी की पर्याप्त पूर्ति नहीं हो पाती है। ग्रामीणों ने इसी स्थान पर बोर करवाने की मांग थी, लेकिन सरपंच ने दूसरे स्थान पर बोर करवा दिया जहां पानी नहीं मिला। ग्रामीणों ने नया बोर खनन की स्वीकृति प्रदान करने आवेदन दिया। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। इसी प्रकार ग्राम कुथरेल के ग्रामीणों ने शासकीय भूमि में अतिक्रमण की शिकायत की। ग्रामीणों ने बताया कि कुथरेल ग्राम पंचायत की शासकीय भूमि पर अवैध रूप से तार जाली और बाउंड्रीवॉल बनाकर कई लोगों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है। ग्रामीणों ने सभी अतिक्रमणकारियों पर त्वरित कार्यवाही करने की मांग की, ताकि शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया जा सके। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने तहसीलदार दुर्ग को आवश्यक करने को कहा। भिलाई निवासी ने गुमटी संचालन हेतु हाकर लाइसेंस प्रदान करने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिस स्थान पर वह गुमटी लगाना चाहती हैं, वह भिलाई इस्पात संयंत्र के संपदा विभाग के अधीन आता है। गुमटी संचालन के लिए हाकर लाइसेंस प्रदान होने पर उनके परिवार को आजीविका का स्थायी साधन मिल सकेगा। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने नगर निगम भिलाई को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अहिवारा से सेवानिवृत्त पश्चात पेंशन निर्धारण करवाने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अहिवारा में फार्मासिस्ट ग्रेड-2 पद से सेवानिवृत्त होने के पश्चात् अब तक उन्हें न तो पेंशन मिला है और न ही किसी भी प्रकार की देय राशि का भुगतान हुआ है, जिससे उन्हें गंभीर आर्थिक एवं मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जल्द से जल्द पेंशन निर्धारण एवं देय भुगतान की कार्यवाही कर उन्हें राहत प्रदान करने की मांग की। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को शीघ्र निराकरण करने को कहा।

लिटिया में गौवंशों की मौत की होगी जांच, जिम्मेदारी तय होना जरूरी

जिला पंचायत सीईओ के पास जांच का जिम्मा

राजनांदगांव। ग्राम पंचायत लिटिया के गौठान में चार गौवंशों की मौत के मामले में जिला प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है। पूर्व में यहां गौठान संचालित था, लेकिन उसे अब बंद कर दिया गया है। इसके बाद ग्रामीण आपसी सहयोग के साथ गौठान में गौवंशों के लिए चारा की व्यवस्था कर रहे थे। लेकिन यह खबर आई कि गौठान के भीतर चार गौवंशों की मौत हो गई है और उन्हें बांधकर रखा गया था। इसे लेकर मामला गरमा गया है। क्योंकि प्रथम दृष्टया जो सामने आया है, उसके अनुसार गौंवशों की मौत भूख से हुई है। गौठान में गौवंशों की मौत का मामला सामने आने के बाद राजनीतिक रूप से भी हलचल मच गई है। क्योंकि कांग्रेस सरकार में लिटिया में ही गौठान का संचालन किया जा रहा था, सत्ता परिवर्तन के बाद गौठानों को बंद कर दिया गया। हालांकि लिटिया में ग्रामीण अपने स्तर पर इसका संचालन कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण 35 गौवंशों के लिए चारा की व्यवस्था आपसी सहयोग से कर रहे थे। इसलिए यह जांच का विषय है कि आखिर गौवशों की मौत भूख की वजह से कैसे हुई।

कापसी और पाहंदा (अ) सहित कई गांवों की शासकीय भूमि पर रेत का अवैध भंडारण, विभाग मौन

अमलेश्वर। पाटन विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कौही, बोरेंदा, केसरा, कापसी और पाहंदा (अ) सहित खारून नदी से लगे कई गांवों में बड़े पैमाने पर रेत का अवैध भंडारण किया जा रहा है। गांव की शासकीय भूमि पर रेत माफियाओं ने कब्जा कर रखा है, लेकिन खनिज विभाग और राजस्व विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। विभागीय उदासीनता से रेत कारोबारियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

शासकीय जमीनों पर खुलेआम कब्जा-ग्रामीणों के मुताबिक, गांवों में जहां भी जगह मिल रही है, वहां रेत के ढेर लगा दिए गए हैं। यहां तक कि शासकीय भवनों और कार्यालयों के सामने तथा मवेशियों के चारागाह की जमीनों पर भी रेत का भंडारण किया गया है। ग्रामीणों ने नाराजगी जताई कि यदि कोई आम व्यक्ति थोड़ी सी भी जगह पर कब्जा करता है तो प्रशासन और पंचायत तत्काल कार्रवाई करते हैं, लेकिन रेत माफियाओं पर किसी तरह की रोक नहीं लगाई जा रही है।

ऊंचे दामों में बिक्री-बरसात के मौसम में रेत की मांग बढ़ने से माफिया इस अवैध भंडारण को ऊंचे दामों में बेच रहे हैं। सुबह और शाम के समय ट्रैक्टर-ट्रॉली व अन्य वाहनों से रेत का अवैध परिवहन लगातार किया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि खनिज विभाग और रेत माफियाओं के बीच मिलीभगत के कारण यह कारोबार खुलेआम चल रहा है।

ग्रामीणों की नाराजगी-गांव के लोगों का कहना है कि शासकीय भूमि और चारागाह की जमीनों पर रेत का कब्जा गांव और पर्यावरण दोनों के लिए नुकसानदायक है। ग्रामीण प्रशासन से लगातार मांग कर रहे हैं कि रेत माफियाओं के खिलाफ ठोस कार्रवाई की जाए, ताकि इस अवैध कारोबार पर रोक लग सके।

फ्लाईओवर के नीचे कब्जा हटाया, अब बिना परमिशन एनएच पर बैडमिंटन कोर्ट की तैयारी, कांग्रेस का विरोध...

शहर अध्यक्ष कुलबीर छाबड़ा ने दुकानदारों को व्यवस्थापन देने की रखी मांग

राजनांदगांव। शहर के फ्लाईओवर के नीचे लगी दुकानों को हटाया गया। इसके बाद वहां बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण कराया जा रहा है। इसे लेकर अब कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस का कहना है कि फ्लाईओवर की जगह एनएच-53 की जगह है। वहां निर्माण किया जा रहा है, कांग्रेसियों ने सवाल किया कि क्या एनएच से कोई परमिशन ली गई है, जिसके बाद यह निर्माण कराया गया है। अगर ऐसा है तो इसे सार्वजनिक किया जाना चाहिए। वहीं कांग्रेस ने यह भी कहा कि बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण किया जाना चाहिए, लेकिन उसके लिए उचित स्थान का चयन होना चाहिए। इस मामले को लेकर शहर अध्यक्ष कुलबीर छाबड़ा ने प्रेसवार्ता ली। उन्होंने कहा कि यह निर्माण अवैध है, इस तरह की मनमानी नहीं की जानी चाहिए। छाबड़ा ने सीधे आरोप लगाया कि खेल के नाम पर पहले भी भाजपा सरकार ने खिलाड़ियों के साथ कुठाराघात किया। हॉकी स्टेडियम की दशा किसी से छिपी नहीं है। दिग्विजय स्टेडियम परिसर जो खिलाड़ियों के लिए वहां बैंक की शाखा को किराए पर दे दिया गया है।

व्यवस्थापन दो, पार्किंग की व्यवस्था की जाए-कुलबीर

कांग्रेस शहर अध्यक्ष छाबड़ा ने कहा कि अति मण का हवाला देकर नगर निगम ने छोटे दुकानदारों से उसकी आजीविका का साधन छीन लिया। नगर निगम को उन्हें व्यवस्थापन देना चाहिए। ताकि वे रोजी-रोटी के लिए परेशान न हो। दुकानों को हटा दिए जाने के कारण कई परिवार आर्थिक समस्या का जूझ रहे हैं।इसलिए उन्हें व्यवस्थापन दिया जाना चाहिए। फ्लाईओवर के नीचे वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की जानी चाहिए।

उदय प्रसाद उदय शासकीय पॉलीटेक्निक दुर्ग में नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए परिचयात्मक कार्यक्रम आयोजित

दुर्ग। शासकीय पॉलीटेक्निक दुर्ग में प्रथम सेमेस्टर के नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए विवेकानंद यूथ सर्कल द्वारा 'अखण्ड भारत' विषय पर परिचयात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चिंतन और समर्पण की भावना को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन और वंदना से हुई। मुख्य वक्ता वरिष्ठ समाजसेवी विश्वनाथ बोगी ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर प्रेरक व्याख्यान दिया। प्राचार्य प्रकाश कुमार पाण्डेय ने स्वागत भाषण में विद्यार्थियों को कार्यक्रम की उपयोगिता समझाई और राष्ट्र भक्ति को जीवन का आधार बताया। छत्तीसगढ़ प्रांत के सह-समन्वयक विकांत मिश्रा ने आभार व्यक्त करते हुए युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में लगभग 100 नवोदित विद्यार्थी व शिक्षकों की उपस्थिति रही।

सड़क हुई जर्जर, ग्रामीणों ने पीडब्ल्यूडी दफ्तर घेरा, चक्काजाम की चेतावनी

ग्राम टुरीपार के ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे, दिखा आक्रोश

राजनांदगांव। घुमका ब्लॉक की ग्राम पंचायत बांटबांव व ग्राम टुरीपार के ग्रामीण लोक निर्माण विभाग के दफ्तर का घेराव करने पहुंचे। ग्रामीणों का कहना है कि उनके गांव की सड़क काफी खराब हो चुकी है, आवाजाही में काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। इसलिए सड़का निर्माण कराया जाए। पहले भी कई बार इसकी मांग की जा चुकी है, लेकिन विभाग इस पर ध्यान नहीं देता। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि इस बार भी मांग की अनदेखी की गई तो वे सीधे प्रदर्शन कर चक्काजाम करेंगे। ग्रामीणों ने बताया कि तकरीबन दस साल से वे इस मांग को करते आ रहे हैं। स्थिति यह है कि सड़क के कारण सालभर दिक्कत रहती है। लेकिन मानसून के समय बारिश होने पर सड़क की हालत बदतर हो जाती है। ऐसे में आवागमन करना मुश्किल होती है, कई बार हादसे में भी होते हैं। लंबे समय से समस्या होने के बाद भी ग्रामीणों की मांग पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि टुरीपार गांव की सड़क मेन रोड है, यहां से राजनांदगांव और दूसरे ओर से खैरागढ़ जाने वालों की आवाजाही होती है। इस कारण यह प्रमुख मार्ग की तरह है। इसलिए इसका निर्माण किया जाना आवश्यक है। ग्रामीणों ने कहा कि उनकी मांग नहीं मानी गई तो वे उग्र आंदोलन करेंगे।

महापौर अलका बाघमार ने महिलाओं संग मनाया 'करू भात भोज

तीजहारिन महिला संग सादगी और आत्मीयता का आयोजन,करेला-भात और खीरे से निभाई गई लोक परंपरा

दुर्ग। नगर पालिक निगम की महापौर अलका बाघमार ने शाम अपने सरकारी आवास एफ-4 पर विशेष करू भात भोज का आयोजन किया। सभी तीज हारिन को आमंत्रित कर तीजा पर्व से जुड़ी पारंपरिक रस्म निभाई गई। महापौर अलका बाघमार ने बताया कि छत्तीसगढ़ और मध्य भारत में तीजा पर्व महिलाओं का महत्वपूर्ण त्योहार है। इस पर्व में महिलाएं अपने परिवार की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करती हैं। करू भात भोज इस पर्व का पहला चरण होता है, जिसमें महिलाएं करेला और भात का सेवन करती हैं और उसके बाद खीरा खाकर विश्राम करती हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व केवल धार्मिक महत्व का नहीं बल्कि लोक परंपराओं और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है।इस अवसर पर भारी संख्या में महिलाएं मौजूद रही। कार्यक्रम के दौरान महापौर अलका बाघमार ने स्वयं भोजन परोसकर महिला अधिकारियों और कर्मचारियों का सम्मान किया। सादगी भरे इस आयोजन में परंपरागत भोजन की थाल सजाई गई, जिसमें करेला-भात के साथ अन्य व्यंजन भी रखे गए थे। मौके पर उपस्थित महिला कर्मचारियों ने भी एक-दूसरे के साथ पर्व की परंपरा साझा की और इसे सांस्कृतिक धरोहर बताया। महापौर बाघमार ने कहा तीजा पर्व हमारी मातृशक्ति का प्रतीक है। यह पर्व हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखता है और सामाजिक व पारिवारिक एकता को मजबूत करता है। नगर निगम परिवार भी इसी भावना से एकजुट है। महिलाओं के योगदान के बिना समाज अधूरा है, और आज का यह आयोजन उनकी शक्ति और परंपरा को सम्मान देने का एक छोटा सा प्रयास है। नगर निगम की महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महापौर का धन्यवाद देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से उन्हें सम्मान और अपनापन मिलता है। कई महिलाओं ने बताया कि रोज़मर्रा की व्यस्तता के बीच इस प्रकार के पारंपरिक कार्यक्रम उन्हें अपनी संस्कृति से जोड़े रखते हैं। पूरे आयोजन में सौहार्द और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में आई और एक-दूसरे को तीजा पर्व की शुभकामनाएँ दीं। महापौर ने सभी को परिवार और नगर की समृद्धि की कामना करते हुए तीजा पर्व की बधाई दी।

13 करोड़ की लागत से तैयार होगा आधुनिक नालंदा परिसर, डेढ़ साल में पूरा करने का लक्ष्य

दुर्ग में नालंदा परिसर का निर्माण शुरू, महापौर व आयुक्त ने किया निरीक्षण

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर के युवाओं को शिक्षा और ज्ञान की आधुनिक सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से नालंदा परिसर का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। मालवीय चौक के पास, प्रयास गर्ल्स स्कूल और हॉस्टल के पीछे की जमीन पर यह भव्य परिसर तैयार किया जाएगा।आज महापौर अलका बाघमार और आयुक्तसुमित अग्रवाल ने लोककर्म प्रभारी देव नारायण चंद्राकर, विद्युत विभाग प्रभारी ज्ञानेश्वर ताम्रकार, कार्यपालन अभियंता आर.के. जैन, उप अभियंता हरिशंकर साहू तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। महापौर व आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हर चरण पर निगरानी रखी जाएगी और समयसीमा के भीतर कार्य पूरा कराया जाएगा।

13 करोड़ की लागत, 2027 तक मिलेगा युवाओं को लाभ-नालंदा परिसर के निर्माण पर लगभग 13 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। राज्य शासन द्वारा इस परियोजना को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है और फंड किस्तों में उपलब्ध कराया जाएगा। पहली किस्त के रूप में लगभग 2.50 करोड़ रुपये निगम को प्राप्त हो चुके हैं, जिसके बाद निर्माण कार्य की शुरुआत की गई।लक्ष्य है कि डेढ़ वर्ष के भीतर निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाए, ताकि वर्ष 2027 के अंतिम माह तक यह परिसर युवाओं को समर्पित किया जा सके।

परिसर की विशेषताएं-यह परिसर दुर्ग ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए शिक्षा और ज्ञान का प्रमुख केंद्र बनेगा। परिसर में सीढ़ीदार लैंडस्केपिंग, हरियाली और छायादार बैठने की जगह विकसित की जाएगी। ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर 500 विद्यार्थियों की बैठक क्षमता वाली विशाल आधुनिक लाइब्रेरी होगी। लाइब्रेरी में मेडिकल, इंजीनियरिंग, प्रबंधन, आईटी, कानून, पत्रकारिता, संस्कृति, अनुसंधान, वाणिज्य और कला विषयों की पुस्तकें उपलब्ध होंगी। परिसर में ई-लाइब्रेरी, हाई-टेक कंप्यूटर सिस्टम और वाई-फाई जोन की सुविधा दी जाएगी। युवाओं के लिए यह जगह केवल पढ़ाई का केंद्र ही नहीं बल्कि आत्मविकास का भी केंद्र बनेगी।

युवाओं के भविष्य की दिशा-महापौर अलका बाघमार ने निरीक्षण के दौरान कहा - नालंदा परिसर का निर्माण दुर्ग शहर के युवाओं के लिए एक नई दिशा और अवसर लेकर आएगा। यहां पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को उच्च स्तरीय पुस्तकालय और आधुनिक तकनीकी सुविधाएं मिलेंगी। हमारा प्रयास है कि समय-सीमा में परिसर तैयार हो और प्रदेश के अन्य हिस्सों से भी विद्यार्थी यहां आकर लाभान्वित हों। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा निगम द्वारा इस परियोजना पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्य की गुणवत्ता पर निरंतर निगरानी की जाएगी और समय-समय पर स्थल निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की जाएगी। शासन से यदि समय पर फंड उपलब्ध होता रहा तो यह परिसर तय समय से भी पहले पूरा कर युवाओं को समर्पित किया जा सकता है। नालंदा परिसर का निर्माण दुर्ग के लिए ऐतिहासिक कदम साबित होगा। 13 करोड़ की लागत से बन रहा यह परिसर न केवल शहर बल्कि पूरे अंचल के छात्रों और शोधार्थियों को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। यहां उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाएं युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं, उच्च शिक्षा और शोध कार्यों में भी मददगार सिद्ध होंगी।

संभाग स्तरीय आधार प्रमाणीकरण कार्यशाला संपन्न

दुर्ग। संभाग स्तरीय आधार प्रमाणीकरण कार्यशाला का आयोजन 25 अगस्त 2025 को बीआईटी मैकेनिकल ब्लॉक में आयोजित किया गया। जिसमें उदय आरओ हैदराबाद से असिस्टेंट मैनेजर सन्नी सिंह एवं दिल्ली हेडक्वार्टर से संजय प्रकाश मास्टर ट्रेनर द्वारा आधार प्रमाणीकरण का प्रशिक्षण दिया गया। आधार प्रमाणीकरण से संबंधित तकनीकी विषयों पर जानकारी दी गई जैसे मनरेगा, पीओएस फूड, स्कूली, बैंकिंग आदि क्षेत्रों में आधार के उपयोग के संबंध में जानकारी दी गई। दुर्ग संभाग के 07 जिलों से आधार आधारित विभाग जैसे शिक्षा, डब्ल्यूसीडी, पेंशन, बैंकिंग, राजस्व, खाद्य आदि से संबंधित मास्टर ट्रेनर्स भी प्रशिक्षण का हिस्सा बने एवं बालोद, बेमेतरा, मोहला मानपुर, दुर्ग के ई-जिला प्रबंधक भी उपरोक्त प्रशिक्षण में उपस्थित हुए। प्रशिक्षण में कुल 97 अधिकारी, कर्मचारी, ऑपरेटर्स, प्रोग्रामर्स शामिल हुए थे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com